वर्ष: 2 अंक: 57,
पेज: 4, मुल्य 1 रु.

सुरत

मंगलवार
28 अप्रैल 2020

दैनिक क्रांति समय

सुविचारः– वक्त के साथ बहुत कुछ बदल जाता हैं लोग भी ,रस्ते भी और कभी कभी हम खुद भी !!

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला पत्रकार की कोरोना पाजिटिव रिपोर्ट

उन्नाव । गंगाघाट थानाक्षेत्र में शुक्लागंज की आनंद नगर मोहल्ला निवासी एक महिला पत्रकार की कोरोना पाजिटिव रिपोर्ट आयी है। संक्रामक रोग प्रभारी डा. आर एस मिश्रा ने सोमवार को बताया कि रविवार देर रात कानपुर से सूचना मिली कि जनपद के शुक्लागंज नगर पालिका क्षेत्र में रहने वाली एक महिला कोरोना पॉजिटिव पाई गई है। इसके बाद कानपुर से आई स्वास्थ्य विभाग की टीम महिला पत्रकार को लेकर कानपुर चली गयी थी जबकि उसके परिवार के तीन अन्य सदस्यों को उन्नाव जिला अस्पताल में आइसोलेट किया गया है। तीनों का सैम्पल लेकर जांच के लिए भेजा जायेगा। उन्होंने बताया कि महिला पत्रकार का सैम्पल कानपुर में लिया गया था इसलिए कानपुर में ही उन्हें आइसोलेट किया गया है। जिले में कोरोना संक्रमित यह दूसरा मरीज है।

सेंसेक्स 600 अंक तेज, निफ्टी 9,300 के पार

मुंबई)। वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स में 600 अंक से ज्यादा की बढ़त रही। वहीं निफ्टी भी 9,300 अंक के पार खुला। इस तेजी की प्रमुख वजह रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक तथा इंफोसिस में बढ़त रहना है। बीएसई सेंसेक्स 31,977.82 अंक के उच्च स्तर पर खुलने के साथ ही सुबह के कारोबार में 632.65 अंक की बढ़त के साथ 31,959.87 अंक पर चल रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी का स्तर 174.20 अंक की तेजी के साथ 9,328.60 अंक पर चल रहा है। सेंसेक्स में शामिल बजाज ऑटो इस शुरुआती तेजी से सबसे अधिक लाभ में रहा। उसका शेयर 4 प्रतिशत से अधिक बढ़त लिए रहा। सन फार्मा, इंडसइंड बैंक, मारुति, एचडीएफसी, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और कोटक बैंक के शेयर भी लाभ में रहे। पिछले सत्र के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 31,327.22 अंक पर और एनएसई निफ्टी 9,154.40 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी का ऑटो इंडेक्स 2,54 फीसदी, फाइनेंशियल सर्विसेज इंडेक्स 2.06 फीसदी, एफएमसीजी इंडेक्स 0.82 फीसदी, आईटी इंडेक्स 2.02 फीसदी, मेटल इंडेक्स 1.73 फीसदी, फार्मा इंडेक्स में 2.12 फीसदी और रियल्टी इंडेक्स में 1.80 फीसदी की बढ़त देखने को मिल रही है।

नवाज शरीफ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी जमीन से संबंधित भ्रष्टाचार का एक मामला

लाहौर । जमीन से संबंधित भ्रष्टाचार के एक मामले में पाकिस्तान की एक भ्रष्टाचार निरोधक इकाई ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के एक अधिकारी ने बताया '' एक अखबार के प्रधान संपादक मीर शकीलुर रहमान से जुड़े जमीन के एक मामले के सिलसिले में पीएमएल–एन के प्रमुख नवाज शरीफ के खिलाफ एनएबी ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।'' उन्होंने बताया ''शरीफ को नोटिस और प्रश्नावली भेजी गई है। लेकिन उनकी ओर से अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।'' मालूम हो कि पाक के पूर्व पीएम नवाल शरीफ आजकल लंदन में हैं। बताया जा रहा है ?कि वे वहां पर अपना इलाज करवा रहे हैं।

इमरान बोले–अश्लील हैं भारतीय

लाहौर(। पाकिस्तान में भले ही बॉलीवुड की फिल्मों के लोग दीवाने हों, मगर प्रधानमंत्री इमरान खान को भारतीय फिल्में अश्लील लगती हैं। पाक पीएम का कहना है कि बॉलिवुड ने पश्चिमी जगत को फॉलो किया है जिससे उनकी फिल्मों और शोज में अश्लीलता दिखाई देती है। इमरान ने कहा है कि कुछ दशक पहले तक हिंदुस्तानी फिल्मों में ऐसा नहीं होता था। उन्होंने कहा कि इस अश्लीलता का हमारी युवा पीढ़ी पर बुरा असर पड़ रहा है और वे सेक्स क्राइम की ओर बढ़ रहे हैं। वैसे बता दें कि आज भले ही इमरान खान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बनने के बाद बॉलिवुड की इतनी बुराइयां कर रहे हों लेकिन एक क्रिकेटर रहते हुए न केवल वह बॉलिवुड के फैन रहे हैं बल्कि उनका हिंदुस्तान की फिल्मी हस्तियों से भी काफी घनिष्ट संबंध रहे हैं।

कोरोना से मृत मां के शव को नहलाने वाली बेटी भी संक्रमित हुई, अस्पताल ने बिना रिपोर्ट दे दिया शव

करांची । पाकिस्तान में अपनी मां के शव को नहलाने वाली लड़की खुद भी कोरोना वायरस की शिकार हो गई है। यह घटना कराची के जिन्ना अस्पताल के कर्मचारियों की लापरवाही की वजह से हुई। इसके बाद लड़की को उसके परिवार समेत क्वारंटाइन कर दिया गया है। कराची के जिन्ना अस्पताल में एक महिला का शव बिना कोरोना रिपोर्ट के उसके वारिसों को सौंप दिया गया था। महिला को दफनाने के बाद उनकी कोरोना की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वहीं मटियारी के डिप्टी कमिश्नर ने परिवार के 6 अन्य सदस्यों को क्वारंटाइन कर दिया है, जिनमें वे महिलाएं भी शामिल हैं जिन्होंने महिला के शव को नहलाया था।

मरीज की बेटी और शव को नहलाने वाली महिला का टेस्ट पॉजिटिव आया है। वहीं मरीज के घर और 2 कॉलोनियों को सील कर दिया गया है। इसके अलावा जिन्ना अस्पताल की लापरवाही के बारे में सूचित करने के लिए सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह को एक पत्र भी लिखा गया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में 12709 मामले सामने आ चुके हैं। वहीं इससे अब तक 268 लोगों की मौत हो चुकी है।

गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप होने पर फ्लश कर दी थी 1.5 करोड़ रुपए की अंगूठी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज माइकल क्लार्क ने अपनी एक्स गर्लफ्रेंड लारा बिंगल को लेकर बड़ा खुलासा किया है। दोनों ने साल 2008 में एक दूसरे को डेट करना शुरूकर दो साल बाद सगाई भी कर ली थी। काफी समय से यह अफवाह चल रही थी कि साल 2010 में दोनों का जब ब्रेकअप हुआ था,तब लारा ने डेढ़ करोड़ की अंगूठी को बाथरूम में फ्लश कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक क्लार्क ने अंगूठी फ्लश की थी। इसपर सफाई देते हुए क्लार्क ने कहा कि वह या लारा इतने पागल नहीं थे कि इतनी महंगी अंगूठी को यूं फ्लश कर दें। क्लार्क ने कहा,'मैं जानता हूं लोग मेरा भरोसा नहीं करने वाले हैं, लेकिन में कितनी बार यही बात कहूं। मैं पागल हूं लेकिन इतना नहीं कि अंगूठी फ्लश कर दूं न ही लारा इतनी पागल हैं। यह सब बनी बनाई बाते हैं। दरअसल यह अफवाह तब फैली थी जब क्लार्क ने ऐलान किया था कि वह लारा से अलग हो रहे हैं। लारा और क्लार्क का रिश्ता 2010 में खत्म हो गया था।

इसके बाद उन्होंने काइली बोल्डी से शादी की थी। दोनों की बेटी केसली ली हैं। हालांकि इस साल फरवरी में दोनों ने सात साल की शादी को खत्म करने का फैसला किया था। तलाक लेने से पांच महीने पहले से दोनों अलग रहते थे। तलाक की वजह माइकल का अफेयर बताया गया था। साल 2018 में ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में यह खबर आई थी कि माइकल क्लार्क का अपनी असिस्टेंट से अफेयर चल रहा है।

ज मी नी विवाद में चाचा ने भतीजे को मारी गोली, मौत ?

इलाहाबाद । उत्तर प्रदेश के एटा जनपद में जमीन विवाद में एक चाचा ने अपने ही भतीजे की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना जलेसर थाना क्षेत्र के गांव बड़ाली की है, जहां पांच लाख रुपए की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी को लेकर परिवार में विवाद शरू हुआ। मामूली कहासुनी के दौरान बात इतनी बढ़ गई कि आरोपी चाचा ने तमंचे से फायर कर दिया। गोली युवक के प्राइवेट पार्ट्स में जा लगी। उसे आनन–फानन में अस्पताल में एडमिट कराया गया जहां, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उधर सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही आरोपी की खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी गिरफ़्तारी के लिए जुट गई है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि

कोरोना पर एक और बयान से पलटे ट्रंप, कहा महामारी को कभी नहीं कहा 'अफवाह'

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कोरोना वायरस को लेकर दिए गए अपने एक और बयान से पलट गए हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कभी भी कोरोना वायरस को 'अफवाह' नहीं कहा था। उन्होंने कहा कि कौन इस तरीके की चीजें कहेगा? ट्रंप ने कहा कि मैंने केवल डेमोक्रैट्स और उनके मीडिया पार्टनर को धोखेबाज कहा था। दरअसल, पिछले महीने ट्रंप ने कोरोना वायरस को डेमोक्रैट्स की 'अफवाह' करार दिया था, इसके बाद उनकी जमकर आलोचना हुई थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्वीट कर कहा मैंने कभी नहीं कहा था कि महामारी एक अफवाह है। इस तरह की चीजें कौन कहेगा? मैंने कहा था कि डेमोक्रैट्स अपने मीडिया पार्टनर के साथ मिलकर कुछ नहीं करते हैं और वे फर्जी हैं। इस पर उन्हें बताया गया और शर्मिंदा किया गया। उन्होंने यहां तक कि स्वीकार किया कि वे गलत थे, लेकिन झूठ फैलाते रहे।

इससे पहले 28 फरवरी को अपने समर्थकों की एक रैली में ट्रंप ने कहा था हर साल 35 हजार लोग औसतन फ्लू से मर जाते हैं। क्या यह कोई जानता है? जी हां 35 हजार लोग। यह काफी अधिक संख्या है। और अब तक हमने कोरोना वायरस से अमेरिका में किसी को भी नहीं खोया है। अब डेमोक्रैट्स इस पूरे मामले को राजनीतिक रूप दे रहे हैं...यह उनकी नई अफवाह है। इस बयान के बाद उनकी काफी आलोचना हुई थी। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया था कि ट्रंप ने कोरोना वायरस को बहुत हल्के में लिया जिससे अमेरिका की स्थिति बेहद खराब हो गई। 28 फरवरी की स्थिति से उलट अमेरिका में कोरोना वायरस से मरने वालों की तादाद अब 54,256 पहुंच गई है। यही नहीं अमेरिका अब दुनिया में कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित देश है।

इससे पहले ट्रंप ने कोरोना वायरस के खात्मे के लिए रोगाणुनाशक जैसे डेटॉल या लाइजॉल के पीने के बयान पर अपनी सफाई दी थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने जब डॉक्टरों को कोविड–19 के मरीजों के संभावित उपचार के लिए शरीर में टीके से जीवाणुनाशक पहुंचाने या पराबैंगनी किरणों, ताप के प्रयोग पर विचार करने के लिए कहा था तो वह दरअसल 'व्यंग्य' में कहा गया था। ट्रंप को अपनी विचित्र और अवास्तविक सलाहों के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों से झिड़की मिली जिन्होंने लोगों से राष्ट्रपति की 'खतरनाक' सलाह को नहीं सुनने की अपील की थी।

(फोटो) कोरोना पर एक और बयान से पलटे ट्रंप, कहा महामारी को कभी नहीं कहा

चिकित्सकों और लाइजॉल और डेटॉल बनाने वाली कंपनियों ने आगाह किया है कि रोगाणुनाशक का शरीर में प्रवेश खतरनाक है। शुक्रवार को जब ट्रंप से उनकी टिप्पणी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा मैं आप जैसे संवाददाताओं से मजाक में सवाल पूछ रहा था बस यह देखने के लिए कि क्या होता है। उन्होंने कहा मैं कक्ष में मौजूद संवाददाताओं से शरीर के भीतर रोगाणुनाशक पहुंचाने के बारे में व्यंग्यात्मक प्रश्न पूछ रहा था।

उन से भी ज्यादा क्रूर हैं उनकी बहन जोंग, उन की मौत के बाद बनेंगी दुनिया की पहली महिला तानाशाह

प्योंगयॉग । उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के ब्रेन डेड होने की अफवाहों के बीच उनके उत्तराधिकारी का नाम चर्चा में है। माना जा रहा है कि अगर किम जोंग उन की मौत होने की स्थिति में उनकी बहन किम यो जोंग उत्तर कोरिया की सत्ता संभालेंगी। अगर ऐसा हुआ तो यो जोंग दुनिया की पहली महिला तानाशाह होंगी। सोशल मीडिया पर उनको लेकर काफी चर्चाएं हो रही हैं। कुछ लोग उन्हें 'क्यूट' बता रहे हैं, तो कइयों का कहना है कि वह किम जोंग उन से भी ज्यादा क्रूर हैं। कुछ लोग चेतावनी देते हैं कि किम यो जोंग बेहद क्रूर हैं। वह किम जोंग उन के कार्यकाल में भी बेहद अहम मसलों पर निर्णय लेती हैं।

माना जाता है कि यो जोंग इस बात का भी फैसला करती थीं कि जोंग उन तक कौन से मुद्दे ले जाए जाने चाहिए और कौन से नहीं। कहा जाता है कि यो जोंग पार्टी के लोगों को उन्हें सम्मान और डर से पेश आने के लिए कहती थीं। नॉर्थ कोरिया की मीडिया हमेशा उनका जिक्र करती रही है, क्योंकि वाइस डायरेक्टर का पद भले ही न मिला हो, लेकिन उनकी हैसियत वही है। ऑर्गनाइजेशन एंड गाइडेंस डिपार्टमेंट में किम यो जोंग के बढ़ते कद ने उन्हें वर्कर्स पार्टी के ब्यूरोक्रैट्स की नजरों में नॉर्थ कोरिया में नंबर 2 बना दिया। ओजीडी में उन्हें अहमियत मिलना इस बात का भी सबूत है कि कई साल से उन्हें इसके लिए तैयार किया जा रहा था कि जोंग उन को कुछ होता है तो यो जोंग उनकी जगह लेने के लिए ढल चुकी हैं।

किम यो जोंग ने हमेशा अपने भाई के पीछे रहते हुए अपनी खुद की जगह बनाई है। उन्होंने कभी आगे आकर किसी तरह की प्रतियोगिता पैदा करने की कोशिश नहीं की। जोंग उन ने भी बहन के कद को समय–समय पर बढ़ाया है। शायद यही वजह है कि किम अहम राजनीतिक और डिप्लोमैटिक मुद्दों पर अपनी राय रखती रहीं हैं। उत्तर कोरिया के लाइव फायर मिलिट्री अभ्यास का दक्षिण कोरिया ने विरोध किया तो किम यो जोंग ने कहा था कि 'डरे हुए कुत्ते भौंक रहे हैं।'

इससे पहले मार्च में किम यो जोंग ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्र भेजने के लिए प्रशंसा की थी। उन्होंने आशा जताई थी कि उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच संबंध बेहतर होंगे। उत्तर कोरियाई मामलों के जानकार लिओनिड पेट्रोव कहते हैं किम यो जोंग की अपने भाई तक सीधी पहुंच है। यही नहीं उत्तर कोरियाई शासक पर उनकी बहन का गहरा प्रभाव है। किम यो जोंग को अपने भाई के बारे में सब पता है। किम यो जोंग अपने भाई की सबसे वफादार हैं। वह विदेशियों और दक्षिण कोरिया के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाती हैं। किम यो जोंग अपने भाई की सकारात्मक छवि दुनिया में बनाने का काम करती हैं।

भारत में 20 मई तक खत्म हो सकता है कोरोना का संक्रमण –सिंगापुर के विश्वविद्यालय के अध्येताओं ने किया दावा

सिंगापुर । भारत में कोराना वायरस का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। देश में इस महामारी का संक्रमण कब खत्म होगा इसको लेकर कई दावे किए जा रहे हैं लेकिन इस बीच सिंगापुर की एक यूनिवर्सिटी ने भारत में कोरोना को लेकर जो दावा किया है, वह राहत देने वाला है। विश्वविद्यालय के अध्येताओं ने दावा किया है कि भारत में 20 मई के आस–पास कोरोना वायरस का प्रकोप खत्म हो सकता है। सिंगापुर यूनिवर्सिटी के अनुसार कोरोना का कहर पाकिस्तान में 3 जून के आसपास समाप्त हो जाएगा। सिंगापुर यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड डिजाइन (एसयूटीडी) ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए कोरोना वायरस के फैलने की रफ्तार का विश्लेषण किया है। यूनिवर्सिटी के मुताबिक ये डाटा मरीज के ठीक और संक्रमित होने पर आधारित हैं। ये विश्लेषण ससेप्टिबल इन्फेक्टे रिकर्वड (एसआ.ईआर) पर आधारित है। यूनिवर्सिटी ने लगभग उन सभी देशों पर डाटा के जरिए रिसर्च किया है, जहां कोरोना का ज्यादा संक्रमण है।

खास बात यह है कि यूनिवर्सिटी का निष्कर्ष इटली और स्पेन में लगभग सही साबित हुए हैं। भारत सरकार ने कहा कि देश में कोविड–19 मामलों के दोगुना होने की औसत दर फिलहाल 9।1 दिन है। वहीं शुक्रवार सुबह आठ बजे से शनिवार सुबह आठ बजे तक, देश में नए मामलों की वृद्धि दर 6 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो देश के 100 मामलों का आंकड़ा पार करने के बाद से प्रतिदिन के आधार पर सबसे कम वृद्धि दर है। अभी कोरोना वायरस संक्रमण से मृत्यु दर 3।1 प्रतिशत है जबकि (संक्रमित) मरीज के संक्रमण मुक्त होने की दर 20 प्रतिशत से अधिक है, जो कि ज्यादातर देशों की तुलना में बेहतर है। देश में लॉकडाउन अच्छा असर दिख रहा है।देश के 11 राज्य ऐसे हैं जहां मरीजों का आंकड़ा 150 तक तो पहुंच गया है लेकिन अभी तक एक भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

सीएम योगी ने यूपी में कोरोना पर पीएम को किया 'अपडेट'

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कोरोना वायरस महामारी के परिप्रेक्ष्य में राज्य के हालात से अगवत कराया। बाद में मुख्यमंत्री योगी ने टवीट किया कि ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हम सभी को. विड–19 के विरुद्ध लड़ाई लड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बातचीत की और इस दौरान कोरोना संक्रमण से उत्पन्न हालात का जायजा लिया।'' उन्होंने आगे टवीट किया कि ''आज प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में उन्हें उत्तर प्रदेश की स्थिति से अवगत कराया एवं उनसे आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त किया। विदित हो कि प्रधानमंत्री मोदी का 22 मार्च से अब तक राज्यों के मुख्यमंत्रियों से चैथी बार इस तरह का संवाद हुआ है। 22 मार्च के दो दिन बाद ही 24 मार्च को मोदी ने 21 दिन के राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन का ऐलान किया था। फिर उन्होंने 14 अप्रैल को लॉकडाउन को बढाकर तीन मई तक कर दिया था।

(फोटो) जापान के शहर टोक्यो के एक स्टेशन पासवे में भीड़भाड़ के दौरान यात्री अपने चेहरे पर मास्क पहनकर जाते हुए। कोरोनावायरस के चलते ऐतिहात के तौर पर सार्वजनिक जगहों पर जाने वाले लोगों को अपने चहरें पर मास्क लगाने का आदेश हैं।

स्पेन से आई राहत वाली खबर, रोज होने वाली मौतें हुईं कम

मैड्रिड । कोरोना वायरस से जूझ रहे स्पेन से राहत देने वाली खबर सामने आई है। स्पेन में हफ्तों बाद ऐसा हुआ है कि रोज होने वाली मौतें 300 के आंकड़े से नीचे गई हैं। स्पेन का प्रशासन अब सामान्य जन जीवन की बहाली के प्लान में लगा है। स्पेन में कोरोना वायरस के संक्रमण और उससे होने वाली मौतों के कम आंकड़ों को देखते हुए मध्य मार्च के बाद पहली बार बच्चों को घरों से बाहर निकलने की इजाजत दी गई। 14 साल के कम उम्र के बच्चों ने बाहर निकलकर एक्सरसाइज की। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा है कि अगले वीकेंड से एडल्ट भी अपने घरों से बाहर निकलकर एक्सरसाइज कर सकते हैं।

हालांकि उन्होंने ये भी कहा है कि संक्रमण के मामलों पर लगातार नजर बनाए रखनी होगी। उसके बाद ही किसी तरह की छूट का फैसला किया जाएगा। स्पेन के सेंटर फॉर हेल्थ इमरजेंसी के मुखिया फर्नांडो सिमोन ने कहा है कि ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि महामारी कम हो रही है। उन्होंने कहा है कि इसी को देखते हुए सरकार ने कुछ गैर आपात सेवाओं में लगे कर्मचा?रियों को काम पर लौटने की इजाजत दी है। इसका कोई नकारात्मक असर भी देखने को नहीं मिला है। सिमोन ने कहा है कि अब वक्त आ गया है की धीरे–धीरे सामान्य जन जीवन की ओर लौटा जाए। हालांकि उन्होंने कहा है कि वो सामान्य जनजीवन वैसा नहीं होगा, जो एक साल पहले हुआ करता था। अगले कुछ महीनों तक हमें संक्रमण पर ध्यान देना होगा। ट्रांसमिशन के खतरे के बीच हालात को सामान्य करने की कोशिश करनी होगी। होगा कि महामारी का दूसरा दौर ज्यादा खतरनाक न हो। सिमोन ने कहा है कि एक एक्सपर्ट के पैनल ने सरकार को सलाह दी है

पाकिस्तान में मस्जिदें बन रही हैं कोरोना संक्रमण का स्रोत – इमरान ने उलेमाओं के डर दी थी खोलने की इजाजत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की शीर्ष इस्लामी मेडिकल संस्था ने चेतावनी दी है कि मस्जिदें कोरोनो वायरस संक्रमण के लिए एक प्रमुख स्रोत बन रही हैं। संस्था ने लोगों से रमजान के दौरान घरों में ही नमाज अदा करने का आग्रह किया। संस्था की तरफ से यह चेतावनी तब दी गई है जब देश में रविवार को कोविड–19 के मामलों की संख्या बढ़कर 13,105 हो गई। पाकिस्तान में 9 मई तक के लिए लॉकडाउन बढ़ाई गई है लेकिन इमरान सरकार ने उलेमाओं के दबाव के कारण रमजान में मस्जिद खोलने की इजाजत दे दी है। पाकिस्तान इस्लामिक मेडिकल असोसिएशन (पीआईएमए) के अध्यक्ष डॉ. इफ्तिखार बर्नी ने कहा ?कि मस्जिदें वायरस संक्रमण का एक प्रमुख स्रोत बन रही हैं। बर्नी ने कहा कि पिछले सप्ताह के दौरान संक्रमित मामलों की संख्या तेजी से बढ़ी है। एक महीने में कोरोनो वायरस के लगभग 6,000 मामले सामने आए है लेकिन पिछले छह दिन में ये दोगुना हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले महीनों मई और जून में संक्रमण के मामले और तेजी से बढ़ेंगे। बर्नी ने कहा कि सरकारी अस्पतालों की आईसीयू में मरीजों की संख्या जबरदस्त तरीके से बढ़ रही है। पाकिस्तान सरकार ने कट्टर मौलवियों के आगे घुटने टेकते हुए रमजान के दौरान मस्जिदों में सशर्त नमाज अदा करने की अनुमति दी है। उलेमाओं के साथ 20 सूत्रों समझौता किया गया है। इमरान ने देशवासियों से हालांकि इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग फॉलो करने को कहा था और यह भी चेताया कि अगर इसका पालन न हुआ तो मस्जिद बंद कर दिए जाएंगे।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

चीन की फितरत

(विचार–मंथन)

वायरस को फैलाने वाला चीन अब इस वायरस से लगभग उबर चुका है। लेकिन चीन अब दूसरे संक्रमित देशों को घटिया मेडिकल सप्लाई कर रहा है। और इपनी घटिया सप्लाई से जिंदगियों के साथ खिलवाड़ पर उतर आया है। दुनिया भर में फैले इस कोरोना महामारी के चलते सभी देशों को पीपीई किट और अन्य स्वास्थ्य से जुड़े चीजों की जरूरत पड़ रही है जिसके लिए चीन से इसकी मांग कर रहे हैं।

दरअसल भारत इकलौता ऐसा देश नहीं है जहां चीन ने ऐसी धोखाधड़ी किया हो बल्कि दुनिया के तमाम देशों के साथ चीन ने इस संकट की घड़ी में ऐसा घिनौना मजाक किया है। दरअसल चीन से भारत ने कोरोना वायरस की जांच के लिए जो रैपिड एंटीबॉडी टेस्ट किट की सप्लाई की, उनके नतीजे ही सवालों के घेरे में आ गए। इन किट्स के गलत नतीजों से हजारों लोगों की जिंदगी को खतरा हो सकता था। यह जानते हुए भी चीन ने भारत के साथ खिलवाड़ किया। इसको लेकर कई राज्यों ने शिकायत की कि इसके नतीजे में 6 से 71 फीसदी का उतार–चढ़ाव दिख रहा है, जिसके बाद इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने दो दिनों के लिए रैपिड टेस्ट पर रोक लगा दी है आईसीएमआर ने कहा कि यह किट बिल्कुल ही स्वीकार योग्य नहीं है हो सकता है कि इसे बदलने की जरूरत पड़े।

बता दें कि इससे पहले भारत में चीन ने जो पीपीई किट भेजे थे उसमें से करीब एक चौथाई क्वालिटी टेस्ट में ही पास नहीं हो पाया था 5 अप्रैल तक भारत में चीन से करीब 1.7 लाख पीपीई किट की सप्लाई की गई थी, जिसमें से 50,000 केटि क्वालिटी टेस्ट में फेल हो गए थे इन घटिया पीपीई किट्स के इस्तेमाल से डॉक्टरों, नर्सों, मेडिकल स्टाफ और कोरोना वायरस को सबसे ज्यादा संक्रमण का खतरा है।

भारत ही नहीं इन घटिया मेडिकल किट्स की सप्लाई यूरोप समेत कई जगह पर किया है। सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो वायरल हो रहे हैं जिसमें चीन के भेजे पीपीई किट पहनते ही फट जा रहे हैं, वहीं मास्क के नाम पर भी चीन ने शर्मनाक हरकत की। चीन ने अपने दोस्त पाकिस्तान देश को घटिया माल भेजे थे, कोरोना महामारी के बीच चीन ने पाक को महिलाओं के अंडरवियर से बने मास्क की सप्लाई की थी

चीन ने पड़ोसी देश नेपाल तक को नहीं छोड़ा। अप्रैल की शुरुआत में ही नेपाल सरकार ने चीन की एक कंपनी के साथ कोरोना वायरस टेस्टिंग और पीपीई किट खरीदने के लिए एक बड़े सौदे को रद्द कर दिया। वहीं इटली के साथ भी चीन ने घिनौना मजाक किया है। जब चीन के वुहान शहर में कोरोना वायरस से हालात खराब थे तो इटली ने चीन को बड़े पैमाने पर मेडिकल सप्लाई दान किया था और जब बाद में इटली खुद वायरस की चपेट में आया तो चीन ने उसी सप्लाई को बिल के साथ इटली में भेज दिया। इसके अलावा जो उन्होंने अपने यहां से सप्लाई भेजी थी वह बहुत ही घटिया क्वालिटी की थी।

इटली के अलावा यूरोप के देशों में भी चीन ने यही किया स्पेन, तुर्की, जॉर्जिया, चेक रिपब्लिक और नीदरलैंड में चीन से आए मेडिकल सप्लाई के खराब क्वालिटी की वजह से उसे खारिज कर दिया। जिसमें बड़े पैमाने पर मास्क और पीपीई किट थे। चीन ने मेक्सिको को भी नहीं बख्शा 17 अप्रैल को चीन से आए ग्लब्स, मास्क, गाउन समेत मेडिकल सप्लाई को उन्होंने यह कह कर खारिज कर दिया कि यह बहुत ही घटिया क्वालिटी के हैं।

(चिंतन–मनन)

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों–बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, 'अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे।

अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी।' साइरस मुस्कराए फिर बोले 'आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं।' उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, 'मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।'

लॉक डाउन : मानसिक स्वस्थ्य को बेहतर बनाने का अवसर

देश–दुनिया के लिए परेशानी का कारण बने कोरोना वायरस ने लोगों को घर के अंदर ही रहने पर मजबूर कर दिया है।इस बीमारी के उपचार की विधियां उभरकर आ रही हैं और शोधों से नई–नई बातें पता चल रही हैं, लेकिन सही उपचार मिलने में अब भी वक़्त लगेगा।इसलिए इस वायरस से बचे रहने में ही रहना ही बेहतर है और इसके लिए भीड़–भाड़ से बचना और सोशल डिस्टन्सिग का पालन करना होगा। इस वायरस से बचाव के लिए डॉक्टर हमें घर में ही रहने की सलाह दे रहे हैं। यह सही है क्योंकि यदि हम बाहर के संक्रमण से बचे रहेंगे तो वायरस का खतरा काम रहेगा।

वायरस से बचे रहने के लिए सब घर में ही रहे, इसके लिए आज–कल दुनियाभर में लोगों को लॉकडाउन का पालन करना पद रहा है। लॉकडाउन के इन दिनों में लोग बरसों से भूले हुए अपने शौक पूरे कर रहे हैं। गीत–संगीत, गाना–बजाना, इंटीरियर डेकोरेशन, होम डेकॉर, फाइल मैनेजमेंट, मनपसंद किताबें पढ़ना, बच्चों के साथ मनोरंजक खेलना जैसे कई काम करते हुए अपने दिन बिता रहे हैं।

लॉकडाउन को लेकर देश–दुनिया में कई बातें हो रही हैं। कुछ लोग इसके पक्ष में हैं तो कुछ इसका विरोध कर रहे हैं। विरोध और समर्थन करने वालों के अपने–अपने विचार हैं। इसके बावजूद सभी इस बात पर सहमत हैं कि कोरोना वायरस से बचे रहने के लिए घर में ही रहना चाहिए। इससे अपने और अपने परिवारजनों को स्वस्थ और सुरक्षित रखा जा सकता है।

लॉकडाउन के इन दिनों का उपयोग यदि हम चाहें तो सूचना, शिक्षा, मनोरंजन से जुडी गतिविधियों के साथ ही अपने और प. रवारजनों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। मानसिक स्वास्थय को बेहतर बनाने के लिए ध्यान, योग और मौन–साधना, जैसी गतिविधियों से जुड़ सकते हैं। इस बारे में भोपाल के मनो. चिकित्सक डॉ विनय मिश्रा का कहना है कि इन दिनों ध्यान, प्राण ायाम, मन साधना के लिए कई सारे कोर्स ऑनलाइन उपलब्ध हैं। ये ऑनलाइन कौसे आर्ट ऑफ़ लिविंग, विपस्सना ब्रह्माकुमारी, गायत्री परिवार, आर्य समाज जैसी संस्थाओं की ओर से चलाये जा रहे हैं। इसके अलावा मनोचिकित्सकों का मानना है कि लॉकडाउन के समय कुछ नया सीखने से हमारा ध्यान लगा रहता है और कुछ नया सीखने से आत्मविश्वास पर भी प्रभाव पड़ता है। इससे नकारात्मक होने की संभावना कम होती है।ऐसे ही नई चीज़ें यूट्यूब, स्किलशेयर, यूडेमी, कोर्सेरा इत्यादि जैसी वेबसाइट से ऑनलाइन सीखी जा सकती हैं। इन ऑनलाइन कोर्स से जुड़कर लॉकडाउन के स्थिति में लोग अपने मानसिक शक्ति, एकाग्रता, शांति को बढ़ाया जा सकता है। इसी प्रकार के ऑनलाइन कोर्स विभिन्न सामाजिक संस्थाओं व ध ार्मिक संगठनों की ओर से फेसबुक, यूट्यूब, व्हाट्सप्प इंस्टाग्राम के साथ ही विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

लॉकडाउन की इन दिनों में यदि कोई भी व्यक्ति अपने मन में किसी भी प्रकार का डर, आशंका, अथवा अनहोनी घटना की कल्पना से भयभीत हो तो उसे तत्काल मनोचिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। इसके लिए भारत सर्कार के गृह मंत्रालय ने हेल्पलाइन नंबर 1075 और 112 जारी किया है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री ने 104 और 181 टेलीफोन नंबर सार्वजनिक किये हैं जिनपर कोई भी व्यक्ति अपनी परेशानी बता सकता है। अनेक चिकित्सक व्यक्तिगत स्तर पर भी लोगों को मोबाइल पर निःशुल्क परामर्श दे रहे हैं। बॉम्बे साइकिएट्री सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष और हिंदुजा हॉस्पिटल मुंबई के मनोचिकित्सक डॉ केरसी चावड़ा फेसबुक पर मेंटल हेल्थ से जुड़े हुए सवालों का जवाब दे रहे हैं। भोपाल के बंसल हॉस्पिटल ने टेलीफोन नंबर 0755–4034116 , 0755–4277444 , 0755–6747016 पर मनोचिकित्सक डॉ सकत्याकांत त्रिवेदी मेन्टल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं के समाधान बता रहे हैं।मेन्टल हेल्थ के बारे में सवालों के जवाब मनोचिकित्सक डी विनय मिश्रा से भी उनके मोबाइल नंबर 9425648065 पर प्राप्त किये जा सकते हैं। जो लोग लॉकडाउन के दिनों में किसी भी प्रकार का तनाव या जीवन के संकट का अनुभव कर रहे हैं, उनको राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थय संसथान की वेबसाइट या टोल फ्री नंबर 18666156464 / 18664158051 अथवा मोबाइल नंबर +91–4424640050 पर अवश्य संपर्क करना चाहिए।

आज के भारत में कट्टरता की कोई जगह नहीं

कोरोना के खिलाफ अपनी लड़ाई में भारत धीरे धीरे लेकिन मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि देश में कोरोना मरीजों की संख्या में वृद्धि होने की गति कम हुई है। यह संख्या अब 7.5 दिनों में दुगुनी हो रही है। लेकिन इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि कोरोना से इस लड़ाई के दौरान निजामुद्दीन में तब्लीगी जमात का मारकज़ सबसे कमजोर कड़ी साबित हुआ। और शायद इसी वजह से यह संगठन जिसके नाम और गतिविधियों से अबतक देश के अधिकतर लोग अनजान थे आज उसका नाम और उसकी करतूतें देश की सुरक्षा एजेंसियों से लेकर आम आदमी की जुबां पर है। लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं निकाला जाए कि तब्लीगी जमात के अस्तित्व से दुनिया अनजान थी। विश्व के अनेक देशों की खुफिया एजेंसियों की नज़र काफी पहले से इन पर थीं। काफी पहले से ही इन पर विभिन्न देशों में होने वाली आतंकवादी गतिविधियों में परोक्ष रूप से शामिल होने के आरोप लगते रहे हैं। इस पर अल कायदा , हरकत उल मुजाहिदीन, तालिबान जैसे आतंकवादी संगठनों के लिए युवाओं को भर्ती करने के आरोप हैं। अमरीकी खुफिया एजेंसी स्ट्रेटफॉर ने जब 9/11 के हमले की जांच की थी तो इस जांच की आंच तब्लीगी जमात तक भी पहुंची थी। आश्चर्य की बात है कि विभिन्न आतंकवादी संगठनों को परोक्ष रूप से मदद करने के आरोपों के बावजूद इस जमात की जड़ें विश्व के लगभग 150 देशों तक फैली हैं।लेकिन उससे भी बड़ा आश्चर्य यह है कि सऊदी अरब और ईरान जैसे मुस्लिम मुल्कों में इसे प्रतिबंधित किए जाने के बावजूद भारत में इसकी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगना तो दूर की बात है बल्कि भारत की राजधानी दिल्ली के भीतर भारत सरकार की नाक के नीचे ही इसका अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय है। जब तक कानूनी रूप से यह सिध्द नहीं हो जाता कि तब्लीगी जमात के आतंकवादियों से किसी प्रकार के संबंध हैं या नहीं यह विवाद का विषय हो सकता है लेकिन कोरोना संकट के इस काल में तब्लीगी जमात के लोगों के विवादित आचरण पर तो किसी प्रकार की असहमति का प्रश्न ही नहीं उठता। चाहे वो सरकार के दिशा निर्देशों की धज्जियाँ उड़ाना हो, या स्वास्थ्य कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार हो, पुलिस कर्मियों पर पथराव और हिंसा का तांडव हो या फिर जगह जगह थूकना अथवा ऐसे क्रिया कलाप करना जिससे यह बीमारी फैले। वैसे तब्लीगी जमात के मौलाना साद का वीडियो सामने आने के बाद तब्लीगी जमात के लोगों के इस आचरण पर ज्यादा आश्चर्य करने का औचित्य नहीं रह जाता लेकिन इंसानियत के दुश्मन ऐसे लोगों पर सरकार द्वारा कठोर कार्यवाही करने में राजनैतिक इच्छाशक्ति की कमी दिखाना अवश्य आश्चर्यजनक लगता है।

ऐसे संगठनों पर कार्यवाही ना कर पाने की सरकारों की अपनी अपनी मजबूरियाँ हो सकती हैं लेकिन इन्हीं मजबूरियों से समाज के भीतर से विद्रोह के स्वर भी उपजते हैं। तब्लीगी जमात के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। देश के मुस्लिम समाज के भीतर से ही जमात के विरोध में आवाजें उठने लगीं। बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने तब्लीगी जमात की गतिविधियों के चलते उनपर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। वहीं शिया वक़्फ बोर्ड के चेयरमैन वसीम रिज़्वी का कहना है कि, ष्यह दुनिया की सबसे खतरनाक जमात है। यह मुसलमानों का ऐसा समूह है जो पूरी दुनिया में इस्लाम के प्रचार के नाम पर मुसलमान युवाओं को कट्टरपंथी बनाता है।ष

इसी प्रकार अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री मोहसिन रज़ा ने भी तब्लीगी जमात पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए कहा कि जमात ने देशविरोधी मानसिकता का प्रदर्शन किया है। जबकि बरेली की दरगाह आला हजरत ने सरकार से तब्लीगी जमात पर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की। शिया धर्म गुरु भी तब्लीगी जमात पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं। इतना ही नहीं फ़िल्म उद्योग से जुड़े विभिन्न मुस्लिम चेहरे जैसे अब्बास टायरवाला और सलमान खान भी जमातियों के खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं और देश के हर मुसलमान को घर पर ही नमाज़ पढ़ने के साथ सोशल डिस्टनसिंग की सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित भी कर रहे हैं। लेकिन अब रमजान के महीने और तब्लीगी जमात के इतिहास को देखते हुए पूर्व कांग्रेस नेता मौलाना आजाद के पौत्र फिरोज़ बख़्त जो कि मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्विद्यालय के कुलाधिपति भी हैं, उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर लॉक डाउन की तारीख 24 मई तक बढ़ाने की मांग करते हुए देश भर में मुसलमानों द्वारा स्वास्थ्य एवं पुलिस कर्मियों के साथ किए गए दुर्व्यवहार के लिए क्षमा भी मांगी।

इससे स्पष्ठ है कि तब्लीगी जमात इस देश के मुसलमान की पहचान नहीं है। क्योंकि तब्लीगीजमात का आतंकवाद कनेक्शन है या नहीं यह तो समय ही बताएगा लेकिन इतना तो साफ है कि कट्टरता को बढ़ावा देना उसका मकसद जरूर है। और जहाँ कट्टरता आती है वहाँ उदारता का आसमान छोटा हो जाता है, ज्ञान और विज्ञान के सभी दरवाजे बंद हो जाते हैं। सोच के साथ पहचान भी संकुचित हो जाती

महामारी के बीच सवाल अभी 'लॉकडाउन' में छूट का क्या औचित्य.....?

आज से जब आधे भारत में 'लॉकडाउन' में ढील लागू की गई तो हर तरफ से एक ही सवाल उठाया जा रहा है कि, क्या देश के इतने बड़े (करीब 40 प्रतिशत) भाग में 'लॉकडाउन' में ढील देने का फैसला क्या वर्तमान हालातों मे उचित है ? शहर कस्बों के साथ राष्ट्रीय राजमार्गो पर लोगो और वाहनों की रैलम पैल क्या फिर से नये खतरों को आमंत्रण नही देगी ? आज केन्द्र सरकार (गृह मंत्रालय) की नीति किसी के भी समझ मे नही आ रही है आज एक ओर जहा देश के हर राज्य के एक बडे भागो में 'लाकडाउन' में ढील शुरू हो गई, वहीं केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकारो को निर्देशित किया कि लाकड. उन के दौरान कोई रियायत नही बरती जाए, आज एक ओर जहॉ महाराष्ट्र जैसे शिक्षित राज्य में लोगो की भीड पुलिसकर्मियो के सामने निहत्थे साधु संतो की हत्या कर रही है, वही दूसरी ओर देश में कोरोना पीडितों का आंकडा तेजी से आगे बढ रहा है, दूसरी बार जब 'लाकडाउन' को आगे बढाने की घोषणा की गई इसके बाद से अब तक सिर्फ एक सप्ताह में कोरोना पीडितो की संख्या तिगुनी हो गई है, अब यह आंकडा जहॉ बीस हजार का अंक छूने की तैयारी कर रहा है वहीं देश में मृतको की संख्या में अप्रत्याशित रूप से वृद्वि हो रही है, अब ऐसी स्थिति में 'कोरोना अप्रभावित क्षैत्र' के नाम पर देश के करीब आधे हिस्से को 'लॉकडाउन' के प्रतिबंधो से मुक्त कर देना कहा की समझदारी है ? राष्ट्रीय व राज्यमार्गो पर स्थित ढाबे कोरोना फैलाने में सहायक नही है ? क्या इन मार्गो पर चलने वाले हजारो–लाखो ट्रको के ड्रायवर कोरोना मुक्त है ?

वैसे पिछले करीब एक महीने के लॉकडाउन' का आम अनुभव यह रहा कि आम नागरिक ने तो सरकार के प्रतिबंधो को पूरा ईमानदारी से पालन किया किन्तु राज्य व जिला प्रशासनो ने अपने धर्म का ईमानदारी से पालन नही किया, जिसके कारण से लोग अपनी दैनंदिनी वस्तुओं के लिए तरस गए और अपने आपको 'नरजबंद' कैदी समझने लगे, यद्यपि आज राष्ट्रीय 'लाकडाउन' के दा. रान अपनी उपलब्धियो का जो ढिंढोरा केन्द्र सरकार पीट रही है, वह आम जनता के तकलीफ भरे सहयोग के कारण उसे प्राप्त हुई, किन्तु क्या कभी मध्यप्रदेश में अफसरो द्वारा संचालित सरकार ने आम आदमी दर्द जानने या उसे महसूस करने की कौशिश की? जो भी हो वक्त गुजर अभी इस कैद के आठ दिन और शेष है,ये भी इसी तरह गुजर जाएगे, किन्तु फिर वही सवाल कि कोरोना की इस विकट स्थिति में देश के एक बडे भाग को 'लाकडाउन' में छूट देकर क्या फिर से 'संकट' को निमंत्रण देना ठीक है ?

सबसे अहम और बडा सवाल यहॉ यह पैदा होता है कि केन्द्र सरकार आखिर जिस 'टास्क फोर्स' या जॉच समिति के सुझाव पर यह आत्मघाती फैसला लिया, क्या इसका कोई राजनीतिक कारण है, या यह एक स्थिति सामान्य बताने का प्रयोग है ? एक और केन्द्र व राज्य सरकारो द्वारा अफसरशाही की सिफारिशों

पर यह कहा जा रहा है कि 'लाकडाउन' के कारण पूरा देश नए खतरे से बच गया, दूसरी ओर उसी के साथ उन क्षैत्रो में 'लाकडाउन' में ढील दी जा रही है, जहॉ अभी कोरोना नही पहुचा है, तो इस ढील का क्या अर्थ निकाला जाए ? क्या अब इन ढील वाले क्षैत्रो से अशुभ खबरें आना शुरू नही जाएगी ?

यह सही है कि इस चालीस दिन लम्बे 'लाकडाउन' के कारण देश की आर्थिक स्थिति डॉवा डोल हुई, बैरोजगारी व उसके कारण भूखमरी बडी किन्तु क्या इस समस्या से निपटने का सक्षम केन्द्र व राज्य सरकारों के पास निपटने का कोई कारागर उपाय नही था ? क्या केन्द्र व राज्य सरकारे मुम्बई के अंधेरी स्टेशन व देश में दो दर्जन स्थानो पर अप्रवासी मजदूरो की भीड देखकर डर गई या इनकी बेरोजगारी देखकर सरकारो को दया आ गई ? जो भी कारण रहा हो, किन्तु अब ईश्वर से यही प्रार्थना करना चाहिये कि लाकडाउन से ढील वाले क्षेत्रो से कोई अशुभ समाचार न आए और बिना 'लाकडाउन' वाले क्षैत्र भी संकट विहीन रहे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लॉक डाउन में मुर्गा व्यपारियो की बल्ले बल्ले : आखिर कहाँ से मिली छूट

सीतापुर ब्यूरोः लोक डाउन का खुला किया जा रहा उल्लंघन जानकारी के लिए बता दे जनपद सीतापुर के महोली कोतवाली के अंतर्गत बरसाहिया गांव महामारी के चलते लॉक डाउन की धज्जियां उड़ा के रख दी बीडीओ में देख सकते है मुर्गा व बकरे में मांस को खुल्लमखुल्ला बिक्री करता मुर्गा व्यापारी

जिसके चलते न तो शोशल डिस्टेंस दिख रहा है और एक दो वक्तयो ने मास पहन रहा है

आखिर कौन है इन पर महेरबान

वही पूरे भारत मे कोरोना महामारी के चलते कोहराम मचा पड़ा है कि 3 मई को लोक डाउन खुलने का दावा भी किया जा रहा है येसी स्थित में खतरनाक वायरस को बुलावा देता मुर्गा व व बकरा व्यापारी

इन पर कार्यवाही क्यू नही हो रही है कोरोना जैसी महामारी के चलते मुर्गा व्यापारियों ने अपना धंधा नहीं बंद किया है जिस कारण होने वाली गंदगी और बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है शासन प्रशासन का ध्यान इनकी तरफ नहीं जा रहा है सरकार से जनता की मांग है की मुर्गा पालन पर एक रोक लगाई जाए

विधायक ज्ञान तिवारी ने किया लेवी का निरीक्षण

सीतापुर ब्यूरो : रामपुर मथुरा सीतापुर आज ग्रामपंचायत देशीलौकिया के अहिरनपुरवा गाँव चल रहे सरकारी गेहूँ क्रय केन्द्र का माननीय सेवता विधायक ज्ञान तिवारी ने औचक निरीक्षण किया । जिसमें भारी कमियाँ पाई गई है । किसानों की जगह व्यापारियों का गेहूँ खरीदा जा रहा था । केन्द्र पर 1700 रुपये प्रति कुण्टल गेहूँ खरीद की बात भी प्रकाश में आई जबकि 1925 रुपये में खरीदा जाना चाहिए था । विधायक जी ने तत्काल ए डी एम सीतापुर व उपजिलाधिकारी महमूदाबाद गिरीश झा को अवगत कराया । मौके पर पहुँचे उपजिलाधिकारी ने क्रय केन्द्र के नोडल अधिकारी प्रवीण कुमार को मौके पर बुलाया । प्रवीण कुमार ने अपनी जाँच में पाया कि 20 अप्रैल 2020 से 27 अप्रैल 2020 तक केवल 837 कुण्टल 50 किलो गेहूँ का सिक्स आर काटा गया है । और 1510 कुण्टल गेहूँ गोदाम भेज गया है । तथा मौके पर लगभग 200 कुण्टल पाया गया । क्रय केन्द्र कुछ गेहूँ चावल मिश्रित भी पाया गया जो कोटे का प्रतीत हो रहा था । क्रय केन्द्र के ठेकेदार संदीप कुमार गुप्ता मौके से फरार रहे । ठेकेदार की कार डिजायर यू पी 32 जे पी 8886 को उपजिलाधिकारी ने तत्काल सीज करने का आदेश थानाध्यक्ष संजय कुमार को दिया

बिहार के सारण में आकाशीय बिजली गिरने से 9 लोगों की मौत

छपरा । बिहार के सारण जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में रविवार को आकाशीय बिजली गिरने से नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए है। मुफस्सिल थाना के प्रभारी कर्मवीर सिंह ने बताया कि खलपुरा दियारा क्षेत्र में दियारा इलाके में सुबह कुछ ग्रामीण सब्जी की खेत में पहुंचे थे। इसी दौरान तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए सभी लोग पास की एक झोपड़ी में इकट्ठा हो गए। इसी बीच आकाशीय बिजली झोपड़ी पर गिरी, जिसकी चपेट में आने से नौ लोगों की

मौत हो गई। इधर, घटना के बाद से गांव में मातम का माहौल है।

बेगूसराय में महिला सिपाही कोरोना संक्रमित, पूरे गांव को किया गया सील

बेगूसराय । बिहार में कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इस बीच बेगूसराय की रहने वाली एक महिला सिपाही कैमूर में कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। उनके संक्रमण की खबर के बाद बेगूसराय में हड़कंप मचा हुआ है। जिला प्रशासन ने महिला सिपाही से जुड़े 28 लोगों की जांच के लिए सैंपल लेकर उन सभी को आइसोलेशन वार्ड में भर्ती भी कराया है। साथ ही महिला सिपाही के गांव को भी सील कर दिया गया है। जिले के वीरपुर प्रखंड क्षेत्र की रहने वाली महिला सिपाही 23 अप्रैल को ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए कैमूर गईं थी, इसी दौरान 25 अप्रैल को उनकी जांच रिपोर्ट आई, जिसमें उनके कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई। पीड़ित महिला सिपाही के पिता होमगार्ड के जवान हैं और सदर अस्पताल में कार्यरत हैं।

महिला सिपाही के संक्रमित होने के बाद उनके पिता के साथ–साथ सदर अस्पताल में उनके साथ काम करने वाले 18 लोगों का भी सैंपल लिया गया है। घर के दस परिजनों का सैंपल लिया गया है। साथ ही सभी 28 लोगों को आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया है।

बिहार में बिजली गिरने से 12 लोगों मौत, मृतकों के परिवार को 4–4 लाख की घोषणा

पटना । बिहार के सारण, जमुई और भोजपुर में बिजली गिरने से हुई 12 लोगों की मौत हो गई है। इसपर अब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने मृतकों के आ. श्रितों को 4–4 लाख रूपये अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है। बिजली गिरने से सारण में 9, जमुई में 2 और भोजपुर में 1 व्यक्ति की मौत हो गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस दुखद घटना को लेकर कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। 4–4 लाख रू अनुग्रह अनुदान देने के अलावा उन्होंने बिजली से झुलसे हुए लोगों के समुचित इलाज के भी निर्देश दिए हैं और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। सीएम नितीश ने कहा कि इस बार हुए वज्रपात की तीव्रता काफी अधिक थी। लॉकडाउन की वजह से लोग घरों में थे। इस कारण ऐसी तीव्रता वाले वज्रपात से संभवतः क्षति कम हुई है। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय–समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। मुख्यमंत्री ने अपील करते हुये कहा कि लोग धैर्य रखें, सचेत रहें, सतर्क रहें, तभी स्वस्थ रहेंगे। उन्होंने कहा कि लोग लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए घरों में रहें और सुरक्षित रहें है।

कोरोना ने दी दस्तक तो 1857 याद आया बुन्देलियो को

झांसी :झाँसी की रानी के समय से पहचान बनाये लक्ष्मी गेट आज सोमवार को कोरोना की दहशत से बन्द हुआ कोरोना का मरीज झाँसी शहर मे मिलने से लोगो मे इस कदर भय देखा गया कि लोगो ने लक्ष्मी गेट बन्द किया और बाहर से आने जाने बालो के लिये सुस्वागतम करके नगर मे प्रवेश नही होने दिया प्रथम स्वतंत्रता–संग्राम की दीपशिखा वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की झांसी पर जब अंग्रेजों ने हमला किया था तब परकोटे से घिरी पुरानी झांसी में प्रवेश के सभी विशाल द्वार व खिड़कियां बंद कर दी गई थी ताकि हमलावर अंग्रेजों का लश्कर झांसी में प्रवेश नहीं कर सकें और झांसी की जनता सुरक्षित रह सके। झांसी के विशाल दरवाजों में एक लक्ष्मीगेट को भी 1857 की लडाई मे अँग्रेजो के प्रवेश न करने के लिये बन्द किया गया था। अब जब विश्व में कोरोना वायरस ने हमला किया तो अफरातफरी मच गई है। इससे भारत देश मे झाँसी भी अछूती नहीं रही। किन्तु आज झांसी के परकोटा के अंदर कोरोना वायरस ने दस्तक दे दी है।महानगर के अंदर शहर कोतवाली अन्तर्गत ओरछागेट मोहल्ले में मिली कोरोना वायरस पीड़ित महिला से अफरातफरी मच गयी है। इसके पीछे एक महिला नहीं अपितु उससे जुडे काफी लोग है जिसने शासन के साथ साथ आम जनों को परेशान कर दिया है। हालत को देखते हुए प्रभावित क्षेत्र में आवागमन बंद कर दिया गया है। लोगों को घरों के बाहर निकलने पर पाबंदी लगा दी गई है। इसके चलते आज लक्ष्मी गेट को बंद कर दिया गया ताकि कोई बाहरी नगर में प्रवेश नहीं कर सके। जानकारों का कहना है कि 1857 की अग्रेजो से लडाई के बाद अब यह गेट बंद हुआ है।का. रोना बीमारी नये नये इतिहास रच रहा है जिसको आने बाली पीढी को इतिहास मे पढने को मिलेगा फिलहाल अपने समय में पहली बार लक्ष्मी गेट को बंद होते हुये देखा।

यूपी में कोरोना वायरस के 1589 एक्टिव मामले

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में सोमवार को कोरोना वायरस के एक्टिव मामलों की संख्या 1589 हो गयी। सूबे में अब तक 31 लोगों की जान कोरोना वायरस के चलते जा चुकी है। राज्य के 59 जिलों में कोरोना संक्रमण का असर देखा जा सकता है।

प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने यहां संवाददाताओं को बताया कि प्रदेश में अभी तक कुल मिलाकर इस समय 1589 एक्टिव संक्रमण के केसेज हैं। कुल 335 लोग उपचारित होकर घर जा चुके हैं जबकि 31 लोगों की दुर्भाग्यपूर्ण मौत हो गयी है। उन्होंने बताया कि कुल 59 जिलों से संक्रमण के 1955 मामले हैं। एक नया जिला झांसी जुडा है।

नौ जिलों में एक्टिव संक्रमण का कोई मामला नहीं है। उन्होंने बताया कि आइसोलेशन वार्ड में भर्ती मरीजों की संख्या 1784 है। इनमें से 15 को आक्सीजन दिया जा रहा है, बाकी की हालत स्थिर है। कोई भी मरीज वेंटिलेटर पर नहीं है। प्रसाद ने बताया कि क्वारेंटाइन फेसिलिटी में रखे गये लोगों की संख्या 11363 है। उन्होंने बताया कि मेडिकल इन्फेक्शन रोकने के लिए जनपद स्तर पर समिति बनायी जा रही है। आदेश जारी कर दिए गए है। उन्होंने कहा कि संक्रमण को छिपाने की आवश्यकता नहीं है। अगर सूखी खांसी, सांस लेने में तकलीफ और बुखार के लक्षण आ रहे हों तो तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र जाकर जांच करायें।

गैंगरेप करने वाले युवकों को पंचायत ने जूते मारकर छोड़ा, आहत पीड़िता ने लगायी फांसी

अलीगढ़ । जिले के थाना दादों इलाके के गांव में दो लड़कों ने 16 साल की एक लड़की से गैंगरेप किया। बाद में जब मामला गांव की पंचायत में गया तो पंचायत ने ऐसा फैसला सुनाया जो लड़की को नागवार गुजरा। पंचायत ने दोनों लड़कों को 5–5 जूते मारने की बात कही और गांव में मुंह काला करवा कर घुमाया और फिर छोड़ दिया। पंचों के इस निर्णय से दुखी लड़की ने घर में आकर फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी।

जानकारी के मुताबिक, 16 साल की लड़की सुबह शौच के लिए गई थी। घर आते समय गांव के दो युवक पीछे से आए और मुंह बंद कर उसे खेत में खींचकर ले गए। दोनों ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और धमकी देकर फरार हो गए। किशोरी ने घर आकर पूरी घटना बताई। मामला पुलिस तक जाता इससे पहले आरोपितों के पक्ष के लोगों ने मामले को सुलझाने का योजना बनायी। आनन–फानन गांव में एक पंचायत बुलाई गई और किशोरी को भी बुलवा लिया गया। पंचों ने निर्णय लिया कि किशोरी दोनों को पांच–पांच जूते मारे। पंचों के सामने बेबस किशोरी ने ऐसा ही किया। फिर दोनों युवकों का मुंह काला कर के भविष्य में ऐसा करने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। इस घटनाक्रम की पुलिस को कोई खबर नहीं लग सकी। पीड़िता की आत्महत्या के बाद पुलिस को जानकारी हुई तो आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और किशोरी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने गांव में घूम रहे दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एसपी देहात अतुल शर्मा के मुताबिक, पिता की शिकायत पर नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

लॉकडाउन में ग्रामीणों ने पेशकी मिसाल, 1 महीने में बना डाली सड़क

नैनीताल । लॉकडाउन में जहां लोग अपने को व्यस्त रखने ऐ लिए घरों में कई कां कर रहे है वहीं नैनीताल के एक गांव में ग्रामीणों ने एक सकारात्मक बहल करते हुए शानदार मिसाल पेश की है। उत्तराखंड के एक गांव के लोगों ने लॉकडाउन के दौरान कुछ अलग ही किया। गांववालों ने मिलकर पहाड़ों पर कठिन चुनौतियों के बीच अपने गांव के लिए सड़क बना डाली। नैनीताल के खड़की गांव में लगभग 40 परिवारों के घर हैं। गांववालों ने बताया कि लगभग एक दशक पहले 6 लाख रुपये की लागत से शिलौटी इलाके में उनके गांव को जोड़ने के लिए सरकार ने तीन किलोमीटर लंबा सड़क बनाई गई थी। यह सड़क कुछ दिन तो रही लेकिन बाद में उखड़ने लगी। देखते ही देखते वहां से सड़क पूरी तरह से गायब हो गई। सड़क पर भूस्खलन से मलबा जमा होने लगा और चारों तरफ झाड़ियां उग आईं। उन लोगों के गांव से शहर की तरफ जाने का रास्ता लगभग पूरी तरह बंद हो गया। उन लोगों को मजबूरन वही रास्ता अपनाना पड़ता था।

लोगों ने बताया कि कई बार शिकायत के बावजूद अधिकारियों ने उन लोगों की नहीं सुनी। लॉकडाउन में उन लोगों के पास पर्याप्त समय था। सभी गांववाले अपने घरों में थे। सबने आपसी बातचीत में खुद से सड़क ठीक करने की ठानी। खड़की गांव के रहने वाले विनोद कुमार आर्य ने बताया कि हमने गांव के करीब 25 लोगों को जमा किया और सड़क के अलग–अलग हिस्सों को खाली करने के लिए छोटी टीमों में काम करने का फैसला किया।

अधिकांश लोगों ने सड़क बनाने के लिए नियमित घरेलू उपकरणों का उपयोग किया। इन लोगों के पास उचित उपकरण की कमी और जंगली जानवरों के हमले का डर भी था, लेकिन इन सारी चुनौतियों के बीच भी उन लोगों ने काम जारी रखा। इतना ही नहीं लोगों ने सड़क बनाने के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का भी ख्याल रखा। अंत में, लगभग एक महीने में, सड़क को 2 मीटर चौड़ा किया गया। यह पूरी तरह से साफ और चपटी हो गई। इस एक ट्रैक पर जहां पैदल चलना मुश्किल था, वहां अब आराम से मोटरसाइकिल चलाई जा सकती है। नैनीताल के जिला मैजिस्ट्रेट सविन बंसल ने कहा कि कोरोना संकट खत्म होने के बाद गांव वालों के मदद की जाएगी और सड़क को पक्का किया जाएगा।

मजदूरों को घर लाने के बाद अब प्रयागराज से छात्रों को घर तक पहुंचायेगी योगी सरकार

लखनऊ। दूसरे प्रदेशों में रह रहें उप्र के मजदूरो को लाने के क्रम में अब तक हरियाणा से 12 हजार से अधिक उप्र वापस लौट चुके है। इन लोगो को इनके गृह जनपद भेज दिया गया है। इसके बाद अब सरकार ने प्रयागराज में पढ़ाई कर रहे और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को भी उनके घरों को भेजने की योजना बनाई गयी है।

अपर मुख्य सचिव गृह और सूचना अवनीश अवस्थी ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अन्य राज्यों में 14 दिन का क्वारंटीन पूरा कर चुके उत्तर प्रदेश के श्रमिकों, कामगारों तथा मजदूरों को चरणबद्ध तरीके से वापस लाए जाने के सम्बन्ध में निर्देश दिये थे। इसी को अमल में लाते हुये शनिवार को हरियाणा राज्य से 2224 मजदूरों को 82 बसों से लाया गया था और रविवार शाम तक 9992 मजदूर 328 बसों से वापस आ गये है। इन मजदूरों को 394 बसों से उनके गृह जनपद पहुंचा दिया गया है।

उन्होंने बताया कि अब इसी तरह प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग कर रहे और विश्वविद्यालयों तथा अन्य कालेजों में पढ़ रहे छात्रों को उनके घर भेजने का काम जल्द ही शुरू किया जा रहा है। प्रयाग राज में करीब दस हजार छात्र है इनके लिये 300 बसों की व्यवस्था की गयी है। इन छात्रों को चरणबद्ध तरीके से उनके उनके घर पहुंचाया जायेंगा।

अपर मुख्य सचिव ने कहा हरियाणा से लायो गये इन मजदूरों को उनके गृह जनपद में 14 दिन तक क्वारंटाइन में रखा जायेंगा। इसके लिये बड़ी संख्या में शेल्टर होम को तैयार किये जाने के निर्देश दिये गये है इनमें पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाया जाए, भोजन एवं शौचालय की सुचारू व्यवस्था की जाएगी। दूसरे प्रदेशों से वापस लायें गये मजदूरों का क्वारंटाइन समय समाप्त होने के बाद उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के लिये भी तैयारी करने के निर्देश दिये है। ताकि इन्हे अपने गांव या उसके आसपास ही रोजगार मिल सकें।

कोरोना से उबरी बॉलीवुड गायिका कनिका को पुलिस ने थमाया नोटिस, 30 को बयान दर्ज करने को बुलाया

लखनऊ । कोविड–19 से संक्रमित हुई पहली बॉलीवुड गायिका कनिका कपूर को लखनऊ पुलिस ने सरोजिनी नगर थाने में 30 अप्रैल को हाजिर होकर अपना बयान दर्ज कराने के संबंध में सोमवार को एक नोटिस भेजा। अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक कनिका कपूर को एक नोटिस देकर कहा गया है कि वह 30 अप्रैल को सरोजनी नगर थाने आकर अपना बयान दर्ज कराएं। इसी थाने में कनिका के खिलाफ भारतीय दंड विधान की धारा 269, 270 और 188 के तहत गत 20 मार्च को मुकदमा दर्ज हुआ था। यह मुकदमा लखनऊ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी की शिकायत पर दर्ज कराया गया था। बताया जाता है कि अगर नोटिस का पालन नहीं किया गया तो कनिका को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जा सकता है।

इस बीच कनिका ने रविवार को ट्वीट कर सरकार को घेरते हुए कहा था कि एक व्यक्ति पर नकारात्मकता थोपने से वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता। पिछली 19 मार्च को कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद आलोचना के घेरे में आई कनिका ने ट्वीट में कहा कि जब वह लंदन से मुंबई लौटी थीं, उस वक्त उन्हें खुद को क्वॉरेंटाइन करने की कोई सलाह नहीं दी गई थी और मुंबई से लखनऊ आने पर उनकी कोई जांच तक नहीं की गयी। उन्होंने ट्वीट में कहा कि मैं जिसके संपर्क में आई, चाहे वह ब्रिटेन हो मुंबई हो या फिर लखनऊ, किसी में भी कोविड–19 के लक्षण नहीं पाए गए। बल्कि सच्चाई यह है कि उन सब की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई। कनिका ने हवाई अड्डों पर कोरोना संक्रमितों की जांच की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि "मैं 10 मार्च को ब्रिटेन से मुंबई आई और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मेरी नियमित स्क्रीनिंग हुई। उस वक्त मुझे ऐसा कोई परामर्श नहीं दिया गया कि मुझे खुद को क्वॉरेंटाइन करने की जरूरत है। मुझे अपनी तबीयत जरा भी खराब नहीं लगी तो मैंने खुद को क्वॉरेंटाइन नहीं किया।

उन्होंने कहा कि मैं अगले दिन यानी 11 मार्च को अपने परिवार से मिलने लखनऊ गई। घरेलू उड़ानों के लिए उस वक्त तक स्क्रीनिंग की कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। उसके बाद 14 और 15 मार्च को मैंने अपने मित्र द्वारा दिए गए लंच और डिनर कार्यक्रम में शिरकत की। मैंने कोई भी पार्टी आयोजित नहीं की और मैं पूरी तरह से ठीक थी। कनिका ने कहा कि मुझे 17 और 18 मार्च को कुछ लक्षण ों का एहसास हुआ तो मैंने अपनी जांच का अनुरोध किया। मैं 19 मार्च को कोरोना संक्रमित पाई गई और 20 मार्च को जब मुझे इस बारे में पता चला, तो मैंने अस्पताल जाना बेहतर समझा। मुझे तीन नेगेटिव टेस्ट रिपोर्ट आने के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई। उन्होंने कहा कि मैं उन डॉक्टरों और नर्सेज का खासतौर पर शुक्रिया अदा करना चाहूंगी जिन्होंने मेरे बेहद भावुक और कड़ी परीक्षा वाले लम्हों में मेरा बहुत ख्याल रखा। मैं उम्मीद करती हूं कि मैं इस मामले को ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ संभाल सकती हूं।

लॉकडाउन ने दिल्ली को किया प्रदूषण मुक्त

आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों की सेटेलाइट इमेज के आधार पर रिसर्च

रुड़की। लॉकडाउन के कारण वायुमंडल में प्रदूषण के स्तर में कमी साफ नजर आ रही है। देशभर में प्रदूषण के गिरते स्तर का वास्तविक पता लगाने के लिए आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों ने अध्ययन शुरू कर दिया है। शोध के शुरुआती नतीजे सकारात्मक आए हैं। हाल ही में ली गई सेटेलाइट इमेज के अध्ययन में पता चला है कि 23 मार्च से पहले दिल्ली में पृथ्वी की सतह के समीप वायुमंडल में विभिन्न गैसों का सांद्रण .0002 था, जो अब घटकर शून्य के करीब पहुंच गया है। यह प्रदूषण मुक्त वायुमंडल का संकेत है। वहीं, कोलकाता में यह प्रदूषण आधा घटने के बावजूद देश में सबसे अधिक है। कोल बेल्ट के जिन इलाकों में थर्मल पॉवर प्लांट संचालित हो रहे हैं, वहां सेटेलाइट इमेज लाल धब्बों के रूप में तुलनात्मक रूप से बढ़े प्रदूषण को दर्शा रही हैं। आईआईटी रुड़की के अर्थसाइंस डिपार्टमेंट के वैज्ञानिक प्रो. अरुण कुमार सराफ और प्रो. अजंता गोस्वामी ने लॉकडाउन के मद्देनजर 23 मार्च के बाद सेटेलाइट से प्राप्त डाटा का विश्लेषण शुरू किया है। प्रो. सराफ ने बताया कि शोध के लिए यूरोप की सेटेलाइट से प्राप्त इमेज के शुरुआती अध्ययन में पता चला है कि जिन प्रदेशों में थर्मल पावर प्लांट हैं, उन कोल बेल्ट एरिया में वायु प्रदूषण का स्तर अन्य क्षेत्रों से अधिक है। सेटेलाइट इमेज में इन क्षेत्रों को लाल धब्बों के रूप में प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में प्रदूषण की मात्रा में भारी गिरावट आई है। यहां नाइट्रोजन डाई ऑक्साइड, सल्फर डाई ऑक्साइड और ओजोन गैसों का सांद्रण शून्य के करीब पहुंच गया है, जो लॉकडाउन से पहले .0002 मॉलिक्यूल प्रति वर्ग मीटर था। जबकि देश में सबसे अधिक प्रदूषण (.0001 मॉलिक्यूल प्रति वर्ग मीटर) कोलकाता में देखा जा रहा है।

दिल्ली और मुंबई के प्रदूषित क्षेत्र हरित जोन में बदले

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

(रंगसंसार)

अनुष्का की 'पाताल लोक' 15 मई को होगी रिलीज

अनुष्का शर्मा की पहली डिजिटल प्रोडक्शन, थ्रिलर वेब सीरीज 'पाताल लोक' 15 मई को डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज होने वाली है। इसका खुलासा अनुष्का ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से किया। उन्होंने एक छोटी क्लिप शेयर करते हुए लिखा कि ष्अंडरबेली से एक अपराध थ्रिलर आएगा, जो बदल देगा कि आप जिस दुनिया में रहते हैं उसे कैसे देखें। हैशटैग पाताललोक हैशटैगन्यूसीरीजआनप्राइम,15 मई।ष बता दें कि ये विडियो एक शांत सी नजर आने वाली दुनिया की झलक देता है हालांकि ये दुनिया सिर्फ देखने में शांत है लेकिन ये मानवता के उस बुरे पहलू को दिखाता है जिसमें अप्रत्यक्ष तौर पर हम सभी जी रहे हैं। चरित्रों को प्रकट किए बिना, वीडियो में अंधेरे ग्राफिक्स और एनीमेशन का उपयोग किया गया है जो एक कठोर तस्वीर को चित्रित करता है, और दिखाता है कि जब मनुष्यों की आड़ में दानव पृथ्वी पर घूमते हैं तो सच्चाई और न्याय कैसे हैरान हो जाते हैं। इस शो को अनुष्का के बैनर क्लीन स्लेट फिल्म्स ने निर्मित किया है।

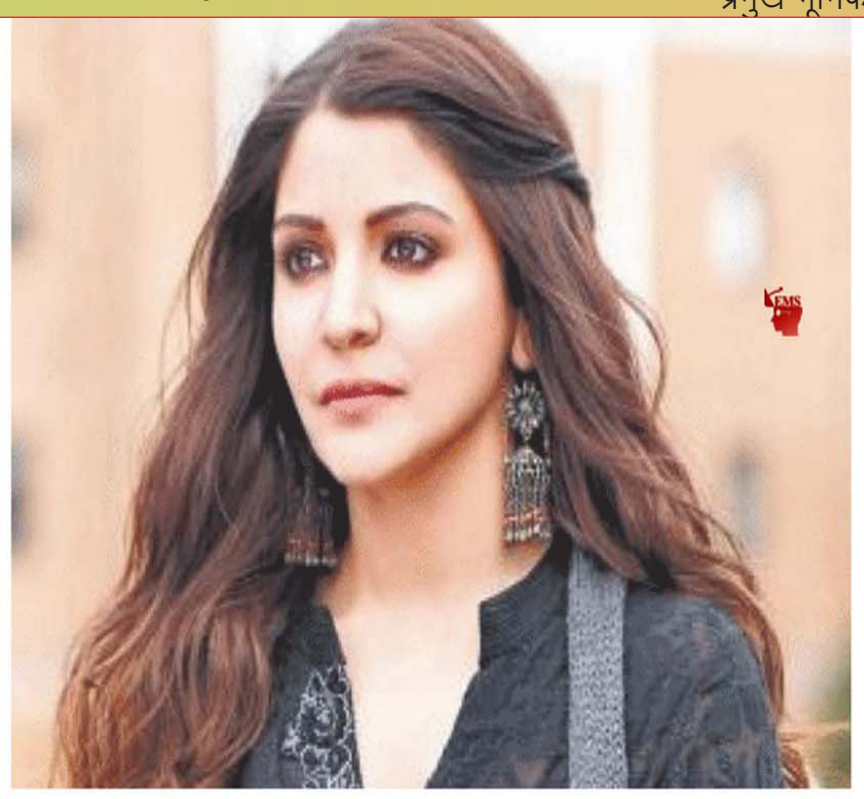

पालतू जानवरों को छोड़ने पर नाराज हुई ऋचा

अभिनेत्री और पशु प्रेमी ऋचा चड्ढा को जब पता चला कि कुछ ष्बेवकूफष लोग कोविड–19 के डर से पालतू जानवरों को छोड़ रहे हैं, तो वह नाराज हो गईं। उन्होंने कहा जैसे बच्चे को अपनाने के लिए कड़े उपाय होते हैं, वैसे ही पालतू जानवरों के मामले में भी होना चाहिए। उन्होंने बताया कि ष्यह वास्तव में मूर्खतापूर्ण है। अगर आपके परिवार में किसी को कोविड–19 मिल जाता है तो क्या आप उन्हें बाहर फेंक देंगे? मुझे लगता है कि जब कोई व्यक्ति, किसी जानवर को घर ले जाना चाहता है तो उसकी मानसिक स्थिति का एक बुनियादी आंकलन होना चाहिए। ठीक उसी तरह जब आप एक बच्चे को गोद लेना चाहते हैं, तो आपको बहुत सारे नियमों का पालन करना होता है, ऐसा ही जानवर के साथ भी होना चाहिए।ष बता दें कि अभिनेत्री अक्सर सोशल मीडिया पर आवारा जानवरों के लिए चिंता व्यक्त करती रहती हैं, उन्हें यह जानकर भरोसा नहीं हुआ कि लोग कोविड–19 महामारी के मद्देनजर पालतू जानवरों को छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ष्जानवरों को ऐसे कौन छोड़ देता है? यह एक पशु प्रेमी होने के बारे में नहीं है, बल्कि यहां बात मानवता की है।

अदा शर्मा ने की अनन्या और ऐश्वर्या की नकल

अभिनेत्री अदा शर्मा ने हाल ही में यूट्यूब पर टेड–टॉक वीडियो जारी किया। जिसमें उन्होंने अनन्या पांडे और ऐश्वर्या राय–बच्चन जैसी अभिनेत्रियों की नकल की। इस वीडियो में उन्होंने उद्योग में प्रमुख भूमिका निभाने के बारे में बताया कि कैसे यहां भाई–भतीजावाद का बोलबाला है। उन्होंने कहा कि ष्मुझे खुशी है कि लोग प्रेरित होने के साथ–साथ इसका आनंद ले रहे हैं। मैं कभी भी ट्रेंड नहीं रही, इसलिए मुझे लगा कि मेरी टेड–टॉक भी मेरी तरह होगी। पागल, मजाकिया, चलती–फिरती और मनोरंजक।ष बता दें कि अदा बॉलीवुड की सबसे फिट अभिनेत्रियों में से एक हैं और वह जल्द ही 'कमांडो 4' और 'मैन टू मैन' फिल्मों के अलावा वेब सीरीज 'द हॉलिडे' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी।

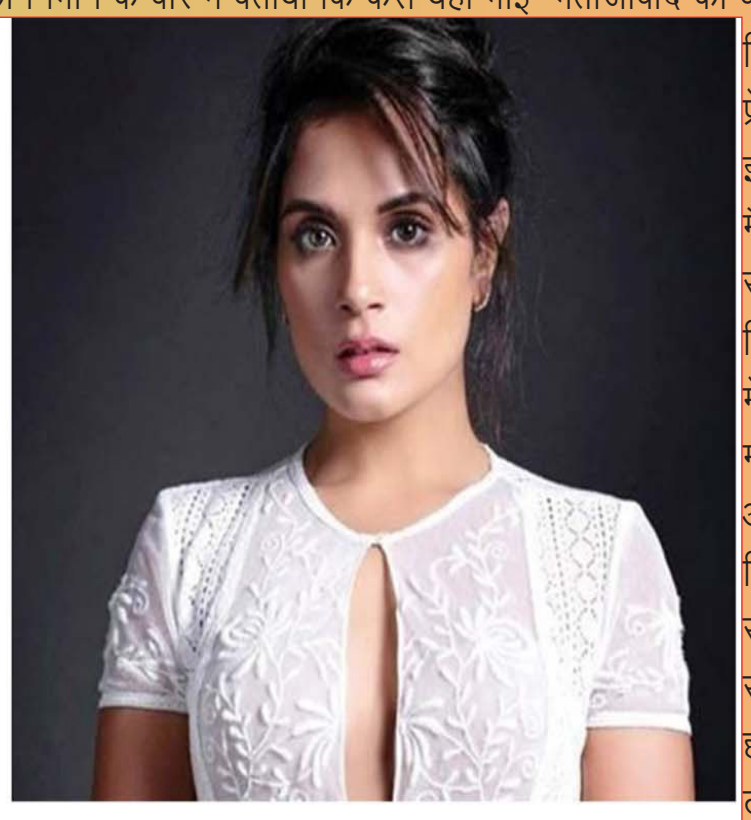

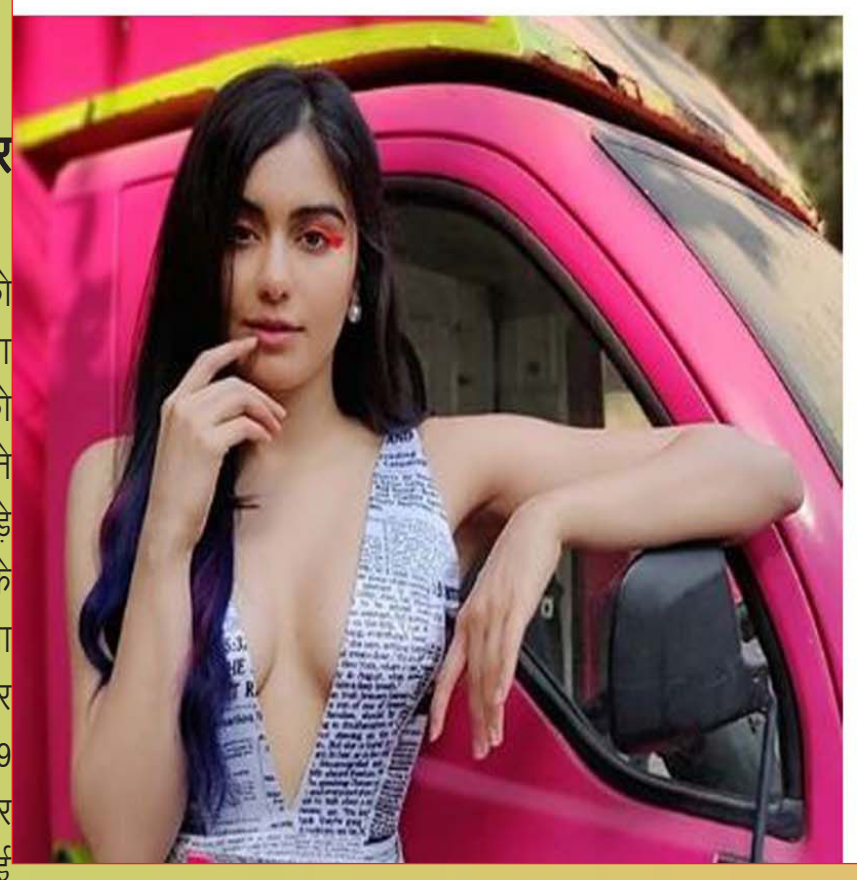

सुनील ग्रोवर ने इंस्टाग्राम पर कै. टरीना की पेंटिग की शेयर

हाल में कॉमेडियन सुनील ग्रोवर ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ की एक पेंटिंग शेयर की है, और इसके साथ ही बहुत ही मजाकिया कैप्शन भी शेयर किया है। उन्होंने कैटरीना कैफ की इस दिलचस्प पेंटिंग को शेयर करते हुए लिखा है कि 'लॉकडाउन ने कितने कवि, शेफ बना दिए। एक पेंटर की मिसाल यहां पर है।' इस तरह यह पेटिंग बहुत ही कमाल की है, मजेदार यह है कि यह किसी अनगढ़ ने बनाई है और यह दूर–दूर तक कैटरीना कैफ से कहीं मेल नहीं खाती है। बता दें कि उनकी इस पोस्ट को खूब रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस पेंटिंग वाली इस पोस्ट को 27,000 से ज्यादा लाइक मिल चुके हैं

ईसीबी ने स्मार्टवॉच पहनने पर रोक लगायी

कोरोना के कारण इन क्रिकेटरों को टालनी पड़ी शादी

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

माउंटआबू में मौजूद है ब्रिटिशकाल का क्वारेंटाइन हाउस

जयपुर। कोरोना से पहले दुनिया के साथ भारत में भी हैजा, मलेरिया, चेचक जैसी महामारियां दस्तक दे चुकी है उस काल में भी ईलाज के लिए मानव जाति को भारी मशक्कत करनी पडी होगी जिसका उदाहरण राज्य के हिल स्टेशन माउंटआबू में ब्रिटिशकाल के दौरान उपर्युक्त बीमारियों के लिए बनाया गया क्वारेंटाइन हाउस अब चर्चा में आ गया है।

ब्रिटिश शासन काल में टीबी, चेचक, फ्लैग जैसे रोगों से संक्रमित व्यकित को शहरी आबादी से दूर एकांतवास में रखें जाने के लिए क्वारेंटाइन भवन का निर्माण करवाया गया था ताकि संक्रमित व्यक्ति से अन्य दूसरे लोगों को बचाया जा सके बस्ती से दूर पहाडी की ओट में एकांत में क्वारेंटाइन भवन का निर्माण करवाया गया समय के चलते धीरे धीरे व्याधियां खत्म होने लगी तो इसका उपयोग भी खत्म हो गया आजादी के बाद इस भवन में कुछ समय औषधालयं फिर विद्यालय संचालित हुए बाद में यह भवन नेहरू युवा केन्द्र के ग्रीष्टमकालीन शिविर नगरपालिका की ओर से दिया गया। करीब 15 साल पहले नगरपालिका ने यह भवन फिर अपने कब्जे में ले लिया फिलहाल अभी भवन में कोई गतिविधियां नहीं हो रही है नगरपालिका आयुक्त जितेन्द्र व्यास भी जानकारी देते है कि ब्रिटिश काल के दौरान फैलने वाली बीमारियों से ग्रस्त लोगों को क्वारेंटाइन किया जाता था अब पुनः इसे कोरोना महामारी में क्वारेंटाइन में उपयोग में लेने की कवायद की जा रही है इस भवन में चार बडे कमरे है और चारो तरफ से चारदीवारी की गई है।

राज्य में लॉक डाउन के नियमों के उल्लंघन करने पर 13 हजार से अधिक व्यक्तियों को किया गिरफ्तारःबीएल सोनी

जयपुर । प्रदेश में लॉक डाउन का उल्लंघन कर अकारण घूमते पाये गये करीब 10 हजार लोगों को सीआरपीसी के प्रावधानों के तहत प्रिवेंटिव अरेस्ट किया गया। पूरे राज्य में 13 हजार से अधिक ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने महामारी के चलते कानून को तोड़ा है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध श्री बी एल सोनी ने बताया कि वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव के लिए राज्य सरकार के निर्देशानुसार समस्त राज्य में लॉक डाउन घोषित कर धारा 144 लगाई गई है। इस दौरान लॉक डाउन के नियमों के उल्लंघन के करीब 1575 मुकदमे दर्ज कर 3 हजार 687 व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग के मामले में भी प्रभावी कार्रवाई करते हुए अब तक 173 मुकदमे दर्ज कर 247 लोगों के खिलाफ अभियोग दर्ज किया है।

सोनी ने बताया कि इस दौरान अकारण घूमते पाये गये 2 लाख से अधिक वाहनों का एमवी एक्ट के तहत चालान कर 1 लाख 10 हजार वाहनों को जब्त किया गया और 03 करोड़ 30 लाख रुपये से अधिक जुर्माना वसूल किया गया है।

एडीजी सोनी ने बताया कि काला बाजारी करने वाले लोगो पर भी पुलिस की पैनी नजर है। लॉक डाउन के दौरान काला बाजारी करते पाये गये दुकानदारों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत 111 मुकदमे दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

सोनी ने बताया कि राज्य में पुलिस व होमगार्ड के लगभग 1 लाख जवान जिला प्रशासन व अन्य विभाग के साथ मिलकर आमजन को महामारी से बचाने मुस्तैदी से जुटे हुए है। राज्य के 20 जिलों में 90 से ज्यादा ऐसे थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा हुआ है, जहां हॉट स्पॉट है। इन क्षेत्रों में पुलिस मुस्तैदी से नियमों की पालना करवाने में लगी है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि लॉक डाउन के नियमो की पालना करे, घर पर रहे। बहुत जरूरी हो तो परमिशन लेकर मास्क लगाकर बाहर निकले, साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग की पालना करें।

वक्फ बोर्ड ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

जयपुर । मुस्लिम परिषद संस्थान ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, वक्फ मंत्री सालेह मोहम्मद और वक्फ बोर्ड चेयरमैन खानुखान बुधवाली को पत्र भेजकर मांग की है कि प्रदेश के कुछ इलाको में रमजान के मुबारक महीने में अजान देने पर स्थानीय प्रशासन द्वारा लगाई गई मौखिक पाबंदी हटाई जाएं।

संस्थान के अध्यक्ष युनूस चौपदार और प्रदेश प्रवक्ता असरार कुरैशी ने बताया कि धौलपुर, नागौर, दौसा समेत कुछ जिलो के अलग अलग इलाको में सामने आया है कि स्थानीय प्रशासन ने केन्द्र व राज्य सरकार के दिशा निर्देशों में स्पष्टीकरण नहीं होने का हवाला देते हुए मस्जिदों में अजान पर मौखिक आदेशों से पाबंदी लगा दी है जबकि देश में अजान देने की कहीं भी पाबंदी नहीं है। चौपदार ने बताया कि लॉकडाउन के तुरंत बाद से ही सभी जगह प्रशासन की अनुमति से मस्जिदों में एक या दो व्यक्ति ही नमाज अदा कर रहे है बाकी लोग मस्जिदों से दी जा रही अजान सुनकर घरों में ही नमाज अदा कर रहे है।

आवागमन पास का दुरुपयोग कर शराब तस्करी करने वाले आरोपी पुलिस गिरफ्त मे

भोपाल । कोरोना संक्रमण की रोकथाम में लॉक डाउन के दौरान अवैध मादक शराब/पदार्थो की तस्करी रोकने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिये गए दिशा निर्देशों कें पालन में थाना टीटी नगर एवं थाना रातीबड़ पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर अवैध रूप से कच्ची शराब बेचने वाले 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे 30 लीटर कच्ची शराब एवं 6 मोटरसाइकिल जप्त की गई है। शराब तस्करों द्वारा नगर निगम का आवागमन पास का गलत उपयोग किया गया है।

गरफ्तार आरोपियों का विवरणः–

1.नरेश पिता शंकर धरले उम्र 40 वर्ष।

2.आकाश पिता नारायण सिंह उम्र 29 वर्ष।

3.आनंद पिता बाबूलाल पाटिल 27 वर्ष।

4.दिलीप पिता नरसिंह राव 30 वर्ष।

5.विपिन पिता भगवानदास पाटिल 30 वर्ष।

6.अजय उर्फ अज्जू पिता नारायण

कल पूरे 35 वर्ष सर्व निवासी बाणगंगा थाना टीटी नगर एवं अन्य 5 आरोपी थाना रातीबड़ पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए है।

विधायक बाबू जंडेल ने लॉकडाउन का उल्लंघन कर की किसानों की सभा मुख्यमंत्री को अपशब्द कहते वीडियो वायरल

भोपाल । श्योपुर के सलमान्या के सायलो खरीद केंद्र पर शनिवार को किसान के ड्राइवर से हुई मारपीट के मामले कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियों में वे लॉकडाउन का उल्लंघन कर किसानों की सभा को संबोधित कर रहे हैं। अपने भाषण में वे मुख्यमंत्री के लिए अपशब्द कह रहे हैं। जंडेल किसानों को संबोधित करते हुए कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री ने पहले कहा कि वे समर्थन मूल्य पर मिट्टी भी खरीद लेंगें। इसके बाद जंडेल अपशब्द बोलते हैं।

शनिवार को किसान के साथ हुई मारपीट का मामला सामने आने के बाद रविवार की रात को कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल खरीदी केंद्र पर पहुंचे और यहां मौजूद करीब 500 किसानों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एक बार नहीं कई बार अपशब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होने कहा कि धोखे से प्रदेश में आई भाजपा की सरकार किसानों से धोखा कर रही है। यहां अच्छी क्वालिटी के गेहूं को अमानक बताकर खरीदना ही नहीं चाहती है। इसलिए अब तक सैकड़ों किसानों के सैंपल फेल कर दिए हैं।

शनिवार को हुई थी घटना

इससे पहले दिन में कांग्रेस नेता पहले पुलिस पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। रविवार को ही भाजपा नेता भी किसान के घायल ड्राइवर रमेश सुमन को लेकर एएसपी के पास पहुंच गए। लेकिन भाजपा ने तहसीलदार शिवराज मीणा के खिलाफ आवेदन देकर मारपीट के मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की। मालूम हो कि शनिवार को किसान का गेहूं अमानक बताकर ट्रैक्टर–ट्रॉली ड्राइवर को लाठी से पीट दिया था, जिसमें उसके पैर और हाथ में गंभीर चोट आई थी। किसानो ने तहसीलदार और पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाया था।

किसान लाठीचार्ज मामले पर कमलनाथ ने दी सड़क पर उतरने की धमकी

भोपाल । श्योपुर में तहसीलदार द्वारा गेहूं बेचने गए किसान से मारपीट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अब पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने किसानों पर डंडे बरसाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वही उचित कार्रवाई ना करने पर सड़क पर उतरने की चेतावनी दी है। इधर, जिले में भाजपा–कांग्रेस के नेताओं ने बड़ौदा तहसीलदार शिवराज मीणा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नेताओं ने तहसीलदार के खिलाफ एफआ.ईआर दर्ज करने की मांग की है। तहसीलदार के खिलाफ शिकायतें श्योपुर कलेक्टर से लेकर भोपाल और मानव अधिकार आयोग तक पहुंच चुकी हैं।

कमलनाथ ने ट्वीट कर लिखा है कि शिवराज जी आपकी 1 माह की सरकार में ही प्रदेश में किसानो का दमन प्रारंभ हो गया है। आपकी पूर्व की सरकार में अपना हक मांग रहे निर्दोष किसानों के सीने पर किस प्रकार गोलियां दागी गयी, उनके कपड़े उतारकर उन्हें थानो में बंद किया गया,उनका किस प्रकार दमन किया, यह पूरे प्रदेश ने देखा है।

कमलनाथ ने आगे लिखा है कि वही इतिहास आपकी वर्तमान सरकार के 1माह में ही दोहराने का काम फिर से किया जा रहा है। पूर्व में जबलपुर में एक किसान की पुलिस पिटाई से हुई मौत की घटना और अब श्योपुर जिले के सलमान्या सायलो गेहूँ खनेदी केन्द्र पर अन्नदाता किसानो पर अधिकारियों द्वारा बेरहमी से लाठीचार्ज व दमन की घटना। अगले ट्वीट में नाथ ने लिखा है कि कांग्रेस किसान भाइयों का दमन बर्दाश्त नहीं करेगी व सड़क से सदन तक इसके विरोध में लड़ाई लड़ेगी। श्योपुर घटना के दोषी अधिकारियों पर अविलंब कड़ी से कड़ी कार्यवाही हो, घायल किसान का समुचित इलाज सरकार कराये, खरीदी केंद्रो पर अव्यवस्था तत्काल दूर की जाये, कांग्रेस आपसे यह माँग करती है

शनिवार को सलमान्या साइलो सेंटर पर गेहूं बेचने के लिए चार दिन से कतार में लगे पाण्डोला के किसान रमेश पुत्र सीताराम सुमन का नंबर जैसे ही गेहूं तौलने का नंबर आया तो उसका गेहूं सैंपल में फेल कर दिया गया। जब वह इसकी शिकायत लेकर तहसीलदार शिवराज मीणा के पास लेकर पहुंचा तो तहसीलदार ने उसके हाथ व पांवों में डंडे मार दिए थे। इस घटना के बाद बड़ौदा तहसीलदार को चौतरफा नाराजगी व आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है।घायल किसान को लेकर कुछ नेता पाण्डोला चौकी पहुंचे और तहसीलदार पर एफआईआर की मांग की लेकिन, चौकी पर तहसीलदार के खिलाफ आवेदन तक नहीं लिया गया। इसके बाद भाजपा नेता किसान को लेकर कलेक्टोरेट व एसपी कार्यालय पहुंचे जहां, उन्हें जांच का भरोसा देकर लौटा दिया गया है। तहसीलदार के खिलाफ लोगों का गुस्सा सोशल मीडिया पर हो रही पोस्टों पर दिखा। तहसीलदार के खिलाफ शिकायतें श्योपुर कलेक्टर से लेकर भोपाल और मानव अधिकार आयोग तक पहुंच चुकी हैं।

मनरेगा से दी जाये अधिकतम मजदूरी और पीएमएवाय के कार्य किये जाये समय सीमा में पूर्ण

श्री इच्छित गढ़पाले मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने दिये निर्देश

सागर । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री इच्छित गढ़पाले की अध्यक्षता में 26 अप्रैल को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक जिला पंचायत सागर के सभाकक्ष में आयोजित की गई। मनरेगा योजना की समीक्षा करते हुए श्री इच्छित गढ़पाले मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं लेखाधिकारी जनपद पंचायतों को सख्ती से निर्देशित किया कि मजदूरी भुगतान समय सीमा में किया जाना सुनिश्चित करें। जनपद स्तर पर सामग्री के भुगतान की जानकारी अद्यतन कर समस्त लंबित बिल प्राप्त कर उनके एफटीओ तैयार रखे ताकि शासन से राशि प्राप्त होने पर तत्काल भुगतान किया जा सके। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा मनरेगा योजनान्तर्गत प्रति दिवस लेबर नियोजन का लक्ष्य दिया गया एवं उन्हें निर्देशित किया कि रोजगार मूलक कार्ययोजना बनाकर इस लक्ष्य का प्राप्त करें। प्रत्येक जनपद को प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण संयोजगता, जल संवर्धन एवं जल संरक्षण के कार्य प्रारंभ करने हेतु निर्देशित किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री इच्छित गढ़पाले द्वारा आवास योजनांतर्गत 2016–17 से 2018–19 तक के अपूर्ण आवासों की समीक्षा की गई। समीक्षा में पाया गया कि, विगत वर्षो के कुल 2758 आवास अपूर्ण है। सभी जनपद पंचायतों को निर्देशित किया गया कि, राशि प्रभक्षण वाले प्रकरणों में संबंधित हितग्राहियों को नोटिस जारी किया जाए, एवं कार्य प्रारंभ न करने पर पर शासकीय राशि के दुरूपयोग/प्रभक्षण की एफआईआर दर्ज कराई जाए। एफआईआर दर्ज कराने में यदि किसी जनपद पंचायत को कठिनाई आती है तो जिला पंचायत कार्यालय को अवगत करावें। पुराने आवासों में जनपद पंचायत देवरी, केसली, मालथौन में अत्याधिक अपूर्ण आवासों की संख्या है, जिसके

संबंध में संबंधित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा बताया गया कि, उक्त आवासों में से 50 प्रतिशत आवास एक माह की अवधि में पूर्ण कर लिये जावेंगे, अन्य अपूर्ण आवासों को यथा शीघ्र पूर्ण कराने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा श्री उदय गौतम परियोजना अधिकारी जिला पंचायत एवं श्री प्रद्युम्न छिरोलिया सहायक परियोजना अधिकारी को निर्देशित किया गया कि, विधिवत रणनीति तैयार कर योजनाबद्व तरीके से अपूर्ण आवासों को पूर्ण करावें।

वर्ष 2019–20 में प्राप्त लक्ष्य के विरूद्व मात्र 45 प्रतिशत आवास ही पूर्ण हुये है, जिस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा शेष लक्ष्य प्राप्ति हेतु समस्त जनपद पंचायत के सीईओ को निर्देशित किया गया।

वर्ष 2019–20 के लिये प्राप्त अतिरिक्त लक्ष्य 7349 प्राप्त हुआ है, जिस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा निर्देशित किया गया कि, दिनांक 01 मई को उक्त आवासों हेतु माननीय मुख्यमंत्री महोदय म.प्र. शासन द्वारा सीधे राज्य स्तर से प्रथम किस्त जारी की जाना है। अतः समस्त जनपद पंचायतें 28 अप्रैल 2020 तक लक्ष्यानुसार पात्रता परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों के पंजीयन एवं जियोटेग की कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें, साथ ही स्वी.ति हेतु चयन आदेश कार्यालय को उपलब्ध करावें ताकि, समयावधि में जिला स्तर से स्वी.ति की कार्यवाही की जा सके। समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायतों द्वारा निरन्त फील्ड विजिट करते हुये समय सीमा में लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये।

कोविड–19 –

कोरोना वायरस संक्रमण के नियंत्रण एवं प्रसार की रोकथाम के संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा निर्देशित किया गया कि, समस्त ग्रामों को हाईड्रोक्लोराईड से सेनेटाईज किया जाए, साथ ही यह भी निर्देशित दिये गये कि कोविड 19 अंतर्गत कार्यरत अधिकारी/कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुये कार्य कराया जाए। बैठक में कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सागर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी/सहायक यंत्री/एपीओ/एएओ जनपद पंचायत समस्त एवं जिला पंचायत के समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित हुए

कोरोना वायरस महामारी स्वास्थ्य विभाग नही कर रहा सेंपलिंग

बुरहानपुर । कोरोना वायरस महामारी के चलते जिले में 25 मार्च से सेंपलिंग के कार्य को आरंभ किया गया तथा ट्रेवलिंग और सम्पक हिस्ट्री के आधार पर ब्लड सेंपल लेकर जांच के लिए इंदौर भेजे गए स्वास्थ्य विभाग तीन दिन पूर्व तक 118 ब्लड सेंपल जांच के लिए भेज चुका है। जिस में मात्र एक मलकापुर निवासी महिला के पाजेटिव रिर्पोट को छोड सभी रिर्पोट निगेटिव आई है। बुरहानपुर जिले की सीमाऐं महाराष्ट्र बार्डर से सटी होने तथा पहाडी रास्तो के महाराष्ट्र तक जाने को लेकर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कडी सुरक्षा रखी जा रही है। सीमाओं पर कडी तैनाती और जंगल के रास्तो पर कडी नजर से आवागवन पूरी तरहां बंद है। ऐसे में यह विभाग की बडी सफलता है परंतु ऐसा मानकर नए सेंपल नही लेना और जांच के लिए नही भेजना महंगा साबित हो सकता है। दरअसल मामला यह है कि 25 मार्च से अब तक स्वास्थ्य विभाग ने 118 ब्लड सेंपल जांच के लिए भेजे थे। जिस में से एक को छोड सभी निगेटिव रिर्पोट प्राप्त हुई इस को लेकर विभाग उत्साहित है। इस के लिए वह मान रहा है कि जिले की सीमाऐं सील है, लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना बंद है तो फिर वायरस कैसे फैलेगा। जिन लोगों की आम तौर पर स्क्रीनिंग की गई उस में भी कोई क्रिटीकल मामले सामने नही आऐ तो फिर सेंपल की क्या अवश्यक्ता परंतु विभाग की यह सोच किसी बडे खतरे को निमंत्रण देती नजर आ रही है। मलकापुर निवासी महिला में कोरोना के लक्षण नही पाऐ जाने के बाद भी उसकी रिर्पोट पाजेटिव प्राप्त हुई है ऐसे में बिना सिम्टम्स या सिम्टम्स दोनों ही बराबर है। विभाग के द्वारा निजी नर्सिंग होम से लगे एरिए को कन्टेन्टमेंट एरिया घोषित किया है। वहां लोगों की स्क्रीनिंग कराई गई कुछ मामले सर्दी जुकान के सामने आए फिर भी वहां सेंपल नही लेना विभाग को भारी पड सकता है। ठीक ऐसा ही स्वास्थ्य विभाग अन्य मामलो में भी कोरोना वायरस की भयानक स्थिति को नजर अंदाज कर रहा है। पिछले तीन दिनो में यह सोच कर कोई सेंपल नही लिया गया कि सम्पक हिस्ट्री सामने नही आई है। सर्दी खांसी और बुखार के मामलो को भी स्वास्थ्य विभाग नजर अंदाज कर रहा है। बुरहानपुर जिला महाराष्ट्र की सीमाओं और खंडवा रेड जोन से घिरा है ऐसे में सर्तकता के तौर पर रेन्डमली शहर के विभिन्न क्षेत्रों से सेंपलिंग की जाना चाहिए ताकि आगामी 3 मई को लॉक डॉउन की स्थिति समाप्त होने तक यहां कोई मामला सामने नही आऐ। लेकिन विभाग ने ऐसा नही कर बडी चूक की है।

विभिन्न परिस्थितियों में एक जिले से दूसरे जिले में जाने हेतु अनुमति के लिए डिप्टी कलेक्टर खेमरिया बने नोडल अधिकारी

ग्वालियर। नोबेल कोरोना वायरस के संक्रमण के दौरान विभिन्न परिस्थितियों में जैसे मेडिकल इमरजेंसी अंतिम संस्कार कृषि कार्य एवं अन्य जिलों के कर्मचारियों को ड्यूटी में जाने हेतु अनुमति आदि के लिए डिप्टी कलेक्टर श्री संजीव खेमरिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला ग्वालियर से अन्य राज्य अथवा जिले में जाने हेतु इस लिंक ***https://mapit.gov.in/covid-19/applyepass.aspx*** के माध्यम से ऑन लाईन आवेदन प्राप्त किये जा रहे है। जिनका निराकरण अधोलिखित अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। संपूर्ण व्यवस्था हेतु प्रभारी अधिकारी श्री संजीव खेमरिया 7987355917 डिप्टी कलेक्टर जिला ग्वालियर रहेंगे।

1. श्री फेरन सिंह धाकड, नायब तहसीलदार मो. न 8103810441 प्रातः 08:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक।

2. श्री सुधाकर खेड़कर, कार्यपालन यंत्री, जीडीए मोबाइल नंबर 94257 09815 एवं 88399 31 907 प्रातः 8:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक।

3. श्री सुभाष सक्सैना, कार्यपालनयंत्री जी.डी.ए मो.न. 9425716521 दोपहर 03:00 बजे से रात्रि 10:00 तक ।

अतः उपरोक्त अधिकारियों से संबंधित लिंक के माध्यम से ऑन लाईन आवेदन कर निर्धारित समयावधि में ई–पास प्राप्त किया जा सकता है।

कोरोना हेल्प लाईन परमीशन नम्बर 0755–2411180

बिरामी टोल प्लाजा पर कर्मचारियों कि जान के साथ खिलवाड़ बिना सुरक्षा के हो रहा है लेनदेन

साण्डेराव ब्युरो ।निकटवर्ती बिरामी गाँव में पास बने नेशनल हाईवे 62 पर स्थित टोल प्लाजा पर कार्यरत कर्मचारी टीसी हाथो पर बिना गल्बज लगाये टोल पर पैसो का आदान प्रदान कर रहे हैं। जहा पूरा विश्व कोरोना वायरस कि वैश्विक महामारी को जड से मिटाने का देश भर में प्रयास कर रहे वही साण्डेराव के निकट फोरलेन हाइवे पर बिरामी टोल प्लाजा नेशनल हाईवे 62 पर लगे टीसी कर्मचारी हाथो में बिना गल्बज लगाये ही टोल पर वाहन चालको से पैसो का लेनदेन कर रहे हैं ऐसे में टोल प्लाजा के कर्मचारियों व उनके परिवार एवं वाहन चालको के परिवार कि जान जोखिम में डाल रहे हैं। ऐसे में संवाददाता ने टोल प्लाजा के मेनेजर से पूछताछ करने टोल प्लाजा आफिस पहुंचे तो वहा कोई जिम्मेदार अधिकारी नही मिला लेकिन ज्यादा पूछताछ पर टोल प्लाजा के आडिटर अरषदीप लेहब ने बताया कि हमारे पास गल्बज थे लेकिन खत्म हो गये जल्द ही उपलब्ध करवायेगे।

लेकिन टोल प्लाजा की इस अनदेखी के कारण भारत सरकार के नियमों उल्लघंन के साथ आमजन के जीवन साथ भी खिलवाड़ कर रहे हैं।

इनका कहना

— अगर गल्बज लगाकर कार्य करते हैं तो कर्मचारी सुरक्षित रह सकते हैं लेकिन अगर बिना गल्बज लगाकर पैसो का वाहन चालको से लेन देन कर रहे हैं तो यह आमजन के लिए खतरनाक साबित हो सकता है सुरक्षा जरूरी है –डॉ. मोहनलाल चौधारी चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र साण्डेराव

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस नेता बदरुद्दीन की कोरोना वायरस से मौत

गांधीनगर। अहमदाबाद महानगर पालिका में विपक्ष के पूर्व नेता व कांग्रेस के सीनियर लीडर बदरुद्दीन शेख का कोरोना वायरस से निधन हो गया है। वे 68 साल के थे। रविवार देर रात एसवीपी अस्पताल में अंतिम सांस ली। कोरोना वायरस की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उनकी हालत नाजुक बनी हुई थी। वे पिछले कई दिनों से वेंटीलेटर पर थे। बदरुद्दीन शेख बेहरामपुरा से कांग्रेस का कोर्पोरेटर थे। गुजरात कांग्रेस के सीनियर लीडर व बेहरामपुरा कोर्पोरेटर भी थे। गुजरात कांग्रेस के विभिन्न पदों पर रहे चुके थे। वे मनपा में विपक्ष के नेता भी रह चुके थे। गत 15 अप्रैल के दिन कोरोना की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें एसवीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसके दो दिन बाद से उनकी तबीयत खराब होने लगी और वे तब से वेंटीलेटर पर थे। उनके निधन से गुजरात कांग्रेस को बड़ा आघात पहुंचा है।

197 नए केसों के साथ अहमदाबाद में कोरोना का आंकड़ा पहुंचा 2378 पर सूरत में 556 और वडोदरा में 240 समेत राज्यभर में 3548 कोरोना के मामले

अहमदाबाद गुजरात में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के 247 नए केसों के साथ राज्य में पॉजिटिव केसों की संख्या 3548 पर पहुंच गई हैं । 247 नए मामलों में 197 मामले केवल अहमदाबाद में सामने आए हैं । पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में 5, सूरत में 4, वडोदरा और बनासकांठा में एक–एक समेत 11 मरीजों की मौत हो गईद्य जबकि अहमदाबाद समेत राज्यभर में 81 लोग ठीक हुए हैं।

स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना पॉजिटिव के 247 नए केस दर्ज हुए हैं । जिसमें सबसे अधिक 197 मामले केवल अहमदाबाद में सामने आए हैं । 247 नए केसों में अहमदाबाद के 197, सूरत में 30, आणंद में 2, बोटाद में 1, डांग में 01, गांदीनगर में 5, जामनगर में 1, पंचमहल में 3, राजकोट में 1 और वडोदरा में 6 केस सामने आए हैं । पिछले 24 घंटों में राज्य में 81 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है । जिसमें अहमदाबाद में 72, आणंद में 1, भावनगर में 1, भावनगर में 1, मोरबी में 1, नर्मदा में 1, राजकोट में 1 और सूरत के 4 समेत 81 लोग शामिल हैं । राज्य में कोरोना से अब तक 397 लोग स्वस्थ हो चुके हैं । पिछले 24 घंटों में राज्य में 11 मरीजों की मौत हुई है । जिसमें अहमदाबाद में 5, सूरत में 4, वडोदरा और बनासकांठा में एक–एक मरीज की मौत हुई। इसी के साथ राज्य में कोरोना से मरने वालों की संख्या 162 हो गई है। स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि राज्य में अब तक 53575 टेस्ट किए गए हैं । जिसमें 3548 पॉजिटिव और 50027 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। राज्य में कुल 40851 लोग कोरन्टाइन हैं, जिसमें 37115 होम कोरन्टाइन, 3451 सरकारी कोरन्टाइन और 285 लोग प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं। उन्होंने बताया कि 197 नए केसों के साथ अहमदाबाद में अब तक कोरोना पॉजिटिव केसों की संख्या 2378 पर पहुंच गई हैद्य वहीं वडोदरा में 240, सूरत में 556, राजकोट में 46, भावनगर में 40, आणंद में 51, भरुच में 29, गांधीनगर में 30, पाटन में 17, पंचमहल में 20, बनासकांठा में 28, नर्मदा में 12, छोटाउदेपुर में 13, कच्छ में 6, मेहसाणा में 7, बोटाद में 13, पोरबंदर में 3, दाहोद में 4, गिर सोमनाथ में 3, खेडा में 6, जामनगर में 2, मोरबी में 1, साबरकांठा में 3, अरवल्ली में 18, महीसागर में 10, तापी में 1, वलसाड में 5, नवसारी में 3, डांग में 2 और सुरेन्द्रनगर में अब तक 1 केस सामने आया है । राज्य में अब तक 394 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हुए हैं।

गुजरात में 89 प्रतिशत कोरोना केस अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा में

अहमदाबाद । स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि गुजरात में अब तक 3300 से अधिक कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हो चुके हैं और उसमें 89 फीसदी मामले केवल अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा के है। राज्य में अब तक दर्ज 65 प्रतिशत केस अहमदाबाद, सूरत में 16 प्रतिशत और वडोदरा में 8 फीसदी मामले सामने आए हैं। इसके अलावा 27 जिलों में 11 पॉजिटिव केस हैं और अमरेली, देवभूमि द्वारका तथा जूनागढ़ समेत 3 जिलों में एक भी पॉजिटिव केस दर्ज नहीं हुआ । जयंति रवि ने बताया कि संक्रमण को रोकने और अन्य रोगों के मरीजों को मार्गदर्शन के लिए राज्य सरकार ने टेली मेडिसीन के जरिए उपचार की नई पहल की है, जिसमें एमडी फिजिशियन, एमडी प्रिड्रियाट्रिशियन, डर्मेटोलोजिस्ट वं गायनेकोलोजिस्ट जैसे विशेषज्ञों द्वारा सुबह 10 से शाम 5 बजे तक मार्गदर्शन दिया जाता है । जयंति रवि ने विभिन्न रोगों के मरीजों से इस सेवा का अधिकतम लाभ लेने का अनुरोध करते हुए बताया कि स्वास्थ्य आयुक्त कचहरी से इसका संकलन किया जा रहा है और 31 जिलों के नागरिक टेली मेडिसील का लाभ ले रहे हैं । उन्होंने कहा कि कोविड 19 के लिए 104 और 1100 हेल्पलाइन कार्यरत हैद्य 104 हेल्पलाइन पर 56259 कॉल मिले, जिसमें 2376 लोगों का उपचार किया गया । जबकि 1100 नंबर 12384 कॉल आए और उसमें 6298 कोरोना संबंधित और 6086 अन्य मार्गदर्शन के कॉल थे और इन सभी को जरूरी मार्गदर्शन दिया गया । उन्होंने कहा कि कोविड 19 के संक्रमण से बचने के लिए अपनी रोग प्रतिकारक क्षमता बढ़ाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को ज्यादा से ज्यादा प्रयास करना जरूरी है और इसके लिए भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा जारी मार्गदर्शिका के मुताबिक राज्य सरकार द्वारा आयुर्वेदिक काढ़ा, संशमनी वटी और होमियोपैथी दवाइयों का वितरण किया जा रहा हैद्य इसके अलावा घरेलू औषधियों का उपयोग करने की सलाह दी गई है । जयंति रवि ने बताया कि कोविड केयर सेंटर में आयुर्वेद आधारित तैयार डायेट चार्ट के मुताबिक मरीजों का आहार दिया जा रहा है और संबंधित अधिकारियों को भी इसका आदेश दिया है। रोग प्रतिकारक क्षमता बढ़ाने घरेलू उपयोग करने का अनुरोध करते हुए जयंति रवि ने कहा कि घर आंगन मं सरलता से प्राप्त हरी औषधियों का भरपूर उपयोग करें, जो ग्रामीण इलाकों में विपुल मात्रा में उपलब्ध है। खासकर तुलसी, हलदी और अद्रक का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें उन्होंने बताया कि अहमदाबाद के समरस होस्टल में पॉजिटिव मरीज जो लक्षणरहित हैं ऐसे 75 लोगों को 24 अप्रैल से प्रति दिन संशवटी की दो दो गोलियां दिन दो बार सात दिनों तक दी जाती हैं । इसके अलावा दशमुलक्वात, पथ्यादिक्वाथ और त्रिकटु चूर्ण दिया जा रहा है । इतना ही नहीं होमियोपैथी आर्सेनिक आल्बम 30 पोटेन्शी दवाई भी दी जा रही है । इसी प्रकार कोरन्टाइन लोगों को भी उपरोक्त दवाईयां दी जा रही हैं।

हत्या के आरोप में गिरफ्तार शख्स की रिपोर्ट पॉजिटिव आने से पुलिस में मचा हड़कम्प

सूरत शहर के सलाबतपुरा पुलिस ने हत्या के आरोप में चांदखान पठान नामक शख्स को गिरफ्तार किया थाद्य इस आरोपी की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने से पुलिस में हड़कम्प मच गयाद्य आरोपी को जेल से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। साथ ही पीआई और पीएसआई समेत अन्य पुलिसकर्मियों के सैम्पल जांच के लिए भेजे गए हैं ।

सूरत के भाठेना क्षेत्र में कुछ दिन पहले पुरानी रंजिश में अल्ताफ उर्फ पम्प की हत्या कर दी गई थी । अल्ताफ की हत्या के आरोप में पुलिस ने चांदखान पठान को गिरफ्तार कर 22 अप्रैल को कोर्ट में पेश किया और कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दियाद्य नियमों के मुताबिक आरोपी का सिविल में टेस्ट किया गया। रविवार की दोपहर आरोपी चांदखान की रिपोर्ट नेगेटिव आईद्य जिसके बाद आरोपी को लाजपोर जेल भेज दिया गया। पुलिस बेड़े में उस वक्त हड़कम्प मच गया जब सूरत महानगर पालिका की कोरोना पॉजिटिव मरीजों की सूची में आरोपी चांदखान पठान का नाम सामने आएद्य रिपोर्ट सामने आने के बाद चांदखान को जेल से निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया गयाद्य साथ ही सलाबतपुरा पुलिस थाने के पीआई एमवी किकाणी, पीएसआई आई पनारा समेत छह लोगों के सैम्पल परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। आरोपी के कोरोना पॉजिटिव की जानकारी लाजपोर जेल प्रबंधन को भी दी गई है आरोपी जेल में जिस जिस के संपर्क में आया है, उन लोगों की जांच की जाएगी।

सुरत में केन्दीय टीम ने अक्षयपात्र भोजनालय पर मुलाक़ात किया, जिसमें सुरत में चल रहे भोजन वितरण व्यवस्था को देख कर सुरत के लोगों की प्रशंसा किया.–

35 दिनों से न्यूजीलैंड में फंसा है राजकोट का परिवार, सरकार से मांगी मदद

अहमदाबाद । राजकोट एक परिवार पिछले 35 दिनों से न्यूजीलैंड फंसा है। भारत लौटने के लिए राजकोट के इस परिवार ने एक वीडिया जारी कर सरकार से मदद की गुहार लगाई हैद्य दरअसल राजकोट का एक परिवार लॉकडाउन से पहले ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड घूमने गया थाद्य कोरोना संकट के चलते हवाई सेवा बंद होने से परिवार न्यूजीलैंड में फंस गयाद्य परिवार के सदस्य दिलीप माणेक मधुमेह के मरीज हैं और उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। मधुमेह की दवाई और इंजेक्शन के लिए 500 डॉलर देना पड़ता है। रहने के लिए प्रति दिन 200 डॉलर वसूले जाते हैंद्य परिवार के 3 सदस्य और टूर गाइड समेत 4 लोगों ने भारत लौटने के लिए सरकार से मदद मांगी है। परिवार की मांग है कि न्यूजीलैंड के निवासियों को दिल्ली से न्यूजीलैंड भेजने और उसी फ्लाइट में हमें भारत ले जाया जाए।

सरकारी अनाज की हेराफेरी करने के षडयंत्र का पर्दाफाश, 3 गिरफ्तार

वडोदरा। शहर पुलिस ने सरकारी अनाज की हेराफेरी करने के षडयंत्र का पर्दाफाश करते हुए छाणी–बाजवा रोड पर से तीन शख्सों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरु की है।

गुजरात भर में वैश्विक महामारी कोरोना खतरा मंडराया हुआ हैद्य कोरोना वायरस के चलते सोशल डिस्टन्स का पालन करना अनिवार्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 3 मई तक देशभर में लोकडाउन का अमल की घोषणा की गई है। लोकडाउन के चलते गरीब लोगों को सरकारी अनाज उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा सस्ते अनाज की दुकान में से अनाज उपलब्ध कराए जा रहे है। परंतु कुछ लोगों द्वारा सरकारी अनाज गरीबों तक पहुंचाने की जगह दूसरी जगह बेचकर धोटाला कर रहे थे। दो दिन पहले जिला पंचायत के सदस्य समेत गेंग द्वारा अनाज की हेराफेरी करने के षडयंत्र का पर्दाफाश किया गया। इस दौरान पुलिस ने गैरकानूनी रुप से अनाज की हेराफेरी करनेवाले तीन शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तीनों आरोपी के पास से 10 बोरे भरकर अनाज कब्जे में ले लिया

शोशल मिडिया में वायरल

यह फ़ोटा और वीडियो लोगों में यह सवाल खड़ा कर देते हैं कि क्या यह पुलिस हैं या पुलिस की छबी खराब कर रहा हैं क्या इस प्रकार के की घटना से लोगों का अच्छीई या बुराई का संदेश जायेगा ?

घटना स्थल फ़ोटा उधना मढ़ी खमण

राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के बीच राष्ट्र सेवा में पश्चिम रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका 34 दिनों में दूध और दवाइयों सहित 19 हज़ार टन अत्यावश्यक सामग्री का परिवहन

अहमदाबाद 25 अप्रैल, 2020 तक पश्चिम रेलवे पर कुल घाटा 575.11 करोड़ रुपये (उपनगरीय + गैर–उपनगरीय सहित) अनुमानित किया गया है। इआसके बावजूद, अब तक टिकटों के निरस्तीकरण के फलस्वरूप पश्चिम रेलवे ने 204.77 करोड़ रु. के रिफंड का भुगतान सुनिश्चित किया है। गौरतलब है कि इस रिफंड राशि में,अकेले मुंबई डिवीजन ने 99.79 करोड़ रुपये की रिफंड अदायगी सुनिश्चित की है। अब तक, 32.34 लाख यात्रियों ने पूरी पश्चिम रेलवे पर अपने टिकट रद्द कर दिये हैं और तदनुसार अपनी रिफंड राशि प्राप्त की है।

पश्चिम रेलवे पर पिछले 28 दिनों में 3.53 लाख ज़रूरतमंदों को मिला भरपेट भोजन

अहमदाबाद । कोरोना महामारी के इस कठिन समय में समाज और राष्ट्र की सेवा करने के पश्चिम रेलवे और आईआरसीटीसी के इरादे और अधिक बुलंद होते जा रहे हैं। इसी क्रम में मिशन फूड डिस्ट्रीब्यूशन की अनूठी पहल के तहत, 25 अप्रैल 2020 को प्ब्ज् के वेस्ट ज़ोन ने मुंबई सेंट्रल में अपने बेस किचन में 7800 पैकेट सामुदायिक भोजन तैयार किया तथा दक्षिण और मध्य मुंबई में जायंट्स ग्रुप, नन्ही परी, सलाम मुंबई, अखिल भारतीय समिति, तेरापंथ युवक परिषद, एन्जिल्स चैरिटेबल ट्रस्ट और बीएमसी टीमों के सहयोग से ज़रूरतमंद व्यक्तियों को वितरित किया गया।''ब्रेक द हंगर'' के अपने उद्देश्य के साथ, आईआरसीटीसी के पश्चिम क्षेत्र ने अपने अहमदाबाद बेस किचन से 3000 सामुदायिक भोजन पैकेट प्रदान किये, जिनके समुचित वितरण में पश्चिम रेलवे के वाणिज्यिक और आरपीएफ विभागों के सक्रिय कर्मयोद्धाओं ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविन्द्र भाकर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अब तक, पश्चिम रेलवे और आईआरसीटीसी ने इस संयुक्त मिशन के अंतर्गत पिछले 28 दिनों में पश्चिम रेलवे के विभिन्न मंडलों में ज़रूरतमंद और गरीब व्यक्तियों को 3.53 लाख भोजन पैकेट वितरित किए हैं। भोजन का वितरण मिशन फूड डिस्ट्रिब्यूशन के रूप में 29 मार्च, 2020 को शुरू किया गया था। इसके अंतर्गत 25 अप्रैल, 2020 को पश्चिम रेलवे के छह डिवीजनों में कुल 12,835 भोजन पैकेट वितरित किए गए। मुंबई और अहमदाबाद के अलावा, वडोदरा डिवीजन ने भी वडोदरा शहर में अक्षय पात्र फाउंडेशन के माध्यम से 1550 खाद्य पैकेट वितरित किए। पश्चिम रेलवे के वाणिज्यिक विभाग की मदद से नडियाद गुड्स शेड में 80 मजदूरों को भोजन परोसा गया। भावनगर डिवीजन द्वारा सिहोर और भावनगर में टिकट चेकिंग स्टाफ की मदद से 250 भोजन पैकेट वितरित किए गए। जामनगर, सुरेंद्र नगर, वांकानेर और हापा में राजकोट डिवीजन द्वारा 335 भोजन पैकेट वितरित किए गए। रतलाम मंडल में विभिन्न स्टेशनों पर 215 भोजन पैकेट वितरित किए गए। आयुष मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्ग–निर्देशों के अनुसार, शरीर की प्राकृतिक रक्षा और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने के लिए मैकेनिकल विभाग के चेतन एन उपाध्याय ने राजकोट में नियंत्रण कक्ष के कर्मचारियों को आयुर्वेदिक दवा के 60 पैकेट वितरित किए। वसई रोड स्टेशन पर आरपीएफ जवानों ने जरूरतमंद व्यक्तियों को भोजन के पैकेट वितरित किए। वापी के जैन संघ ने वापी स्टेशन पर हाउसकीपिंग स्टाफ, पार्सल लोडर और ड्यूटी स्टाफ को 50 भोजन पैकेट वितरित किए। योग दा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया ने 115 भोजन के पैकेट प्रदान किए, जिन्हें जगजीवन राम अस्पताल के रोगियों और परिचारकों के बीच वितरित किया गया।

नागरवाडा में पुलिस–स्थानीय लोगों के बीच घर्षण, 10 गिरफ्तार

वडोदरा । शहर में कोरोनाग्रस्त नागरवाडा इलाके में कासमआला कब्रस्तान के पासआज तड़के स्थानीय लोगों की भीड़ जमा होने पर पुलिस ने लोगों को घर में जाने पर कहने पर एक पुलिस कर्मी पर स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया। इस दौरान पुलिस वे स्थानीय लोगों केबीच घर्षण हुआद्य पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरु की है

वडोदरा शहर में कोरोना वायरस का कहर जारी है। लोकडाउन के बीच रमजान माह का शुरु हो चुका है। आज सुबह कोरोनाग्रस्त नागरवाडा कासमआला कब्रस्तान क पास शेरी का समय पूर्ण होने के बाद भी लोगों की भीड़ उमटी थी। इस दौरान वहां खड़ी पुलिस ने लोगों को अपने घरों में जाने के लिए कहा। परंतु वहां जमा भीड ने पुलिस की अपील को नजरअंदाज कर पुलिस के साथ तू तू मैं मैं करने लगे। इस दौरान एक पुलिस कर्मी से लोगों ने मारपीट शुरु कर दी। पुलिस द्वारा भीड़ को हटाने के लिए लाठीचार्ज करने पर मामला अधिक बिगड़ गया। पुलिस उच्चाधिकारियों ने टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर बलपूर्वक लोगों में घरों में भेज दिया। इस दौरान पुलिस के साथ घर्षण में उतरे 10 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सभी को कोर्ट में पेश करने से पहले कोरोना टेस्ट करने की कार्रवाई शुरु की है। इसके अलावा पुलिस ने फरार आरोपियों को फरार घोषित कर उन्हें गिरफ्तार करने की गतिविधि तेज कर दी है।

विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त करके हमेशा अग्रणी रहने वाली पश्चिम रेलवे, कोरोना महामारी के कारण घोषित राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के सबसे कठिन समय के दौरान भी राष्ट्र की सेवा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। 23 मार्च, 2020 से 25 अप्रैल, 2020 तक पिछले 34 दिनों की अवधि के दौरान, अपनी पार्सल विशेष ट्रेनों के माध्यम से देश के विभिन्न भागों में दूध और दवाइयों सहित लगभग 19 हजार टन अत्यावश्यक वस्तुओं के समुचित परिवहन को सुनिश्चित करके, पश्चिम रेलवे ने एक बार फिर से समाज के प्रति अपने समर्पण और दृढ़ प्रतिबद्ध ता को साबित कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 5.65 करोड़ रुपये की आय हुई है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविन्द्र भाकर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 11,000 टन भार और 100 : उपयोग के साथ, वेस्टर्न रेलवे द्वारा सोलह दूध विशेष ट्रेनें चलाई गईं, जिनसे 1.96 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ। इसी प्रकार, आवश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए 89 कोविड–19 विशेष पार्सल ट्रेनें भी इस अवधि के दौरान चलाई गईं, जिनसे अर्जित आय 2.91 करोड़ रुपये रही। इनके अलावा,1864 टन के 4 इंडेंटेड रेक भी 77.65 लाख रुपये से अधिक के राजस्व के लिए 100: उपयोग के साथ चलाए गए।

उन्होंने बताया कि 26 अप्रैल, 2020 को देश के विभिन्न हिस्सों के लिए पश्चिम रेलवे से सात पार्सल विशेष ट्रेनें रवाना हुईं,

जिनमें पोरबंदर दृ शालीमार, बांद्रा टर्मिनस दृ लुधियाना, ओखा दृ बांद्रा टर्मिनस, बांद्रा टर्मिनस दृ ओखा, भुज दृ दादर, करमबेली दृ नया गुवाहाटी और पालनपुर दृ सालचपरा पार्सल स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं।

एक रेलवे मिल्क रेक भी पालनपुर से हिंद टर्मिनल के लिए रवाना हुई। उल्लेखनीय है कि covid –19 के मद्देनजर लॉकडाउन अवधि के दौरान, सीमित परिवहन विकल्पों और चुनौतीपूर्ण स्थितियों के बावजूद, पश्चिम रेलवे ने देश भर में छोटे पार्सल आकारों में दवाइयों, चिकित्सा उपकरणों, खाद्यान्न आदि जैसी आवश्यक वस्तुओं के परिवहन की ज़िम्मेदारी ली है, क्योंकि यह हमेशा अपने ग्राहकों की जरूरतों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध रही है। पश्चिम रेलवे द्वारा एक समर्पित हेल्पलाइन नम्बर 9004490982 भी उपलब्ध कराया गया है, जो किसी भी पार्सल बुकिंग से सम्बंधित सहायता के लिए

पश्चिम रेलवे के वाणिज्यिक कर्मचारियों द्वारा 24स7 संचालित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से cmicccg@gmail.com के पते से एक ईमेल आईडी भी बनाई गई है। श्री भाकर ने बताया कि 22 मार्च से 25 अप्रैल, 2020 तक लॉकडाउन की अवधि के दौरान, पश्चिम रेलवे द्वारा 4.92 मिलियन टन की आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए माल गाड़ियों के कुल 2273 रेकों का उपयोग किया गया है। 4775 मालगाड़ियों को अन्य रेलवे के साथ जोड़ा गया, जिनमें 2403 ट्रेनें सौंपी गईं और 2372 ट्रेनों को अलग–अलग इंटरचेंज पॉइंट पर ले जाया गया। दूध पाउडर, तरल दूध और अन्य सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं जैसी आवश्यक सामग्री की मांग के अनुसार आपूर्ति करने के लिए देश के विभिन्न भागों में पार्सल वैन / रेलवे दूध टैंकरों (आरएमटी) के 109 मिलेनियम पार्सल रेक भेजे गए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)